mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-29 अंक-275 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
06 अक्टूबर 2025 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

विश्व पैरा एथलेटि स...
@ पेज 7

पश्चिम बंगाल- दार्जिलिंग में 7 जगह लैंडस्लाइड, 13 की मौत

कई घर टूटे, रोड पर मलबा गिरा; रेस्यू में दिक्कत

नई दिल्ली/मुंबई/ कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में तेज बारिश के बाद शनिवार रात दार्जिलिंग में 7 जगह लैंडस्लाइड हो गई। मिरिक-सुखियापोखरी रोड के किनारे ढलान पर पहाड़ी का हिस्सा ढह गया। हादसे में कई घर टूट गए। अब तक 13 लोगों की मौत हुई है। लैंडस्लाइड के बाद रोड पर मलबा आने से रेस्क्यू में दिक्कत आ रही है। वाहनों की आवाजाही और आसपास के कई इलाकों में कम्यूनिकेशन टूट गया है। उधर मिरिक में एक लोहे का पुल भी टूट गया है।

भारी बारिश के कारण तीस्ता नदी उफान पर है। तीस्ताबाजार के पास बलुखोला में पानी भर जाने से सिलिगुड़ी को सिक्किम और कालिम्पोंग से जोड़ने वाला हाईवे पूरी तरह बंद हो गया है। दार्जिलिंग शहर का भी कई हिस्सों से संपर्क टूट गया है।

अरब सागर में साइक्लोन शक्ति, महाराष्ट्र-गुजरात में अलर्ट अरब सागर में उठा पहला चक्रवात शक्ति गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल गया है। मौसम विभाग ने शनिवार को बताया कि यह तूफान गुजरात के द्वारका से

420 किमी दूर समुद्र में एक्टिव है। इसकी वजह से 100 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं।

अगले 24 घंटे में यह पश्चिम-दक्षिण पश्चिम की ओर बढ़ेगा और अरब सागर के उत्तर-पश्चिम और मध्य हिस्सों तक पहुंचेगा। सोमवार से पूर्वोत्तर की ओर जाने और कमजोर पड़ने की संभावना है।

तूफान के असर से गुजरात, उत्तर महाराष्ट्र में समुद्र उफान पर है। महाराष्ट्र में भी तूफान शक्ति का असर दिखने लगा है। मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिलों के लिए चक्रवात की चेतावनी जारी की गई है। 7 अक्टूबर तक उत्तरी कोंकण के तटीय इलाकों में तेज हवाओं के साथ भारी भारी बारिश हो सकती है।

नेपाल में भूस्खलन और बाढ़ से तबाही, 36 घंटे में 40 लोगों की मौत

काठमांडू, एजेंसी। पिछले दो दिनों के भीतर देश भर में विभिन्न आपदाओं के दौरान 40 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 13 अन्य बाढ़, भूस्खलन, बिजली गिरने और सड़क दुर्घटनाओं के कारण घायल हो गए हैं। सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) के प्रवक्ता शैलेंद्र थापा ने बताया कि अकेले इलाम जिले में बाढ़ और भूस्खलन से 28 लोगों की मौत हो गई है और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। इसके अतिरिक्त आपदा से संबंधित घटनाओं में 11 लोगों के लापता होने की सूचना है। इलाम जिले के सूर्योदय नगरपालिका में पांच, इलाम नगरपालिका में छह, देवमाई नगरपालिका में दो, फाक्फोक्थुम ग्रामीण पालिका में एक, मंगसेबुंग ग्रामीण नगर पालिका में तीन, मैजोगमाई ग्रामीण पालिका में आठ और संदकपुर ग्रामीण पालिका में तीन मौतें हुई हैं। प्रवक्ता थापा के मुताबिक उदयपुर जिले में दो, रौतहट जिले में तीन, रसुवा में चार और काठमांडू में एक मौत हुई है। अलग-अलग घटनाओं में खोटांग, भोजपुर, रौतहट और मकवानपुर जिलों में बिजली गिरने से आठ लोग घायल हो गए। इस बीच, पांचथर जिले में एक और भूस्खलन के कारण सड़क दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए।

मुख्य चुनाव आयुक्त बोले- बिहार में एसआईआर सफल

अब इसे पूरे देश में कराएंगे, पोलिंग बूथों की 100प्रतिशत वेबकास्टिंग की जाएगी

पटना,एजेंसी। बिहार में चुनाव की तैयारियों को लेकर चीफ इलेक्शन कमिश्नर (CEC) ज्ञानेश कुमार ने रविवार को पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा, बिहार में SIR पूरी तरह सफल रहा। मतदाता सूची में यह सबसे बड़ी पहल रही। 24 जून 2025 को SIR शुरू हुआ और वक्त पर समाप्त हुआ। सफल SIR के लिए वोटर्स को धन्यवाद। अब इसे पूरे देश में कराएंगे। CEC ने बताया, 90 हजार 217 बूथ लेवल ऑफिसर ने बेहतर काम किया। पूरे देश में बनने वाले बूथ लेवल ऑफिसर के लिए बिहार प्रेरणा बना।

उन्होंने कहा- बूथ तक मोबाइल ले जा सकेंगे। बूथ सेंटर से 100 मीटर की दूरी पर पोलिंग एजेंट बैठ सकेंगे। बिहार चुनाव में EVM पर प्रत्याशियों की कलर फोटो लगाई जाएगी। बिहार में वन स्टॉप डिजिटल प्लेटफॉर्म भी बिहार में लागू कराया जाएगा। बूथ से 100 मीटर की दूरी से हर प्रत्याशी अपने एजेंट को लगा सकते हैं।

कफ सिरप में 0.1प्रतिशत के बजाय 48.6प्रतिशत केमिकल,यह दवा 3 राज्यों में बैन

दवा कंपनी पर एफआईआर, डॉक्टर गिरफ्तार- निलंबित मृतक बच्चों की संख्या 16 पहुंची, 11 की पुष्टि

छिंदवाड़ा/भोपाल,एजेंसी। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के परासिया में 11 बच्चों की मौत के बाद आखिरकार प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। शनिवार रात जिले के परासिया थाना में डॉ. प्रवीण सोनी और श्रेसन फार्मास्युटिकल कंपनी (कांचीपुरम, तमिलनाडु) के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इसके बाद छिंदवाड़ा के कोतवाली थाना क्षेत्र के राजपाल चौक से डॉक्टर प्रवीण सोनी को देर रात एसपी द्वारा बनाई गई स्पेशल पुलिस टीम ने गिरफ्तार भी कर लिया है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से बीएमओ डॉ. अंकित सल्लाम की शिकायत पर ये कार्रवाई की गई है। जिन धाराओं में केस दर्ज हुआ है, उनके तहत 10 वर्ष से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान है। छिंदवाड़ा एसपी अजय पांडे ने कहा कि आगे की जांच के लिए एसआईटी गठित कर जल्द ही तमिलनाडु भेजी जाएगी।

इधर, शनिवार रात में ही किडनी फेल होने से 11 बच्चों की मौत के मामले में मध्यप्रदेश की सरकारी रिपोर्ट भी आ गई। इसमें सिरप कोल्ड्रिफ (Coldrif) में 46.2% डायएथिलिन ग्लायकॉल (DEG) का पुष्टि हुई है। वहीं, दो अन्य सिरप नेक्स्ट्रो-डीएस (Ne&tro-DS) और मेफटॉल पी सिरप की रिपोर्ट ओके आई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर छिंदवाड़ा जिले के परासिया में पदस्थ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रवीण सोनी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। उन पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप है। डॉ. सोनी को निलंबन के बाद क्षेत्रीय कार्यालय, स्वास्थ्य सेवाएं जबलपुर में अटैच किया गया है।

बैतूल के दो बच्चों को भी लिखी यही दवा, इलाज के दौरान मौत

परासिया के अलावा बैतूल में भी कोल्ड्रिफ की वजह से दो बच्चों की मौत होने की आशंका है। इनके नाम आमला विकास खंड के कलमेश्वरा निवासी कबीर पिता कमलेश (4) और जामुन बिछुवा गांव के गर्मित पिता निखलेश (ढाई साल) बताए गए हैं। परिजन ने बताया कि 24 अगस्त को कबीर को बुखार आने पर परासिया के डॉ. प्रवीण सोनी को दिखाया। इलाज के बाद उसे घर ले आए। जब हालत में सुधार नहीं हुआ, तो परासिया के दो अन्य डॉक्टरों से भी सलाह ली गई। यहां बताया गया कि बच्चे की किडनी प्रभावित हो रही है।

इसके बाद उसे 7 सितंबर को नागपुर ले गए, जहां एक दिन अस्पताल में भर्ती रखने के बाद डॉक्टर ने घर ले जाने की सलाह दी। परिजन संतुष्ट नहीं थे, इसलिए वे उसे सीधे भोपाल ले गए। वहां पहुंचते ही 8 दिसंबर की रात करीब साढ़े चार बजे कबीर की मौत हो गई। गर्मित ने भी इलाज के दौरान 1 अक्टूबर को दम तोड़ दिया था। समाचार एजेंसियों के मुताबिक, छिंदवाड़ा शहर से दो और चौरई तहसील से एक बच्चे की मौत भी किडनी फेल होने की वजह से होने की बात सामने आई है। हालांकि, इन बच्चों की डिटेल अभी सामने नहीं आई है।

सुप्रीम कोर्ट में वांगचुक की हिरासत पर आज सुनवाई

- पत्नी ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की थी; अभी जोधपुर जेल में बंद

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट में सोनम वांगचुक की रिहाई की मांग को लेकर लगाई गई याचिका पर 6 अक्टूबर को सुनवाई होगी। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच इस मामले की सुनवाई करेगी। सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंगमो ने 2 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। गीतांजलि ने अनुच्छेद 32 के तहत सुप्रीम कोर्ट में हेबियस कार्पस (बंदी प्रत्यक्षीकरण) याचिका दायर की थी। उन्होंने दावा किया था कि उनके पति की गिरफ्तारी अवैध है।

दरअसल, वांगचुक फिलहाल जोधपुर की जेल में हैं, उन्हें 24 सितंबर को लेह हिंसा भड़काने के आरोप में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) के तहत 26 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था। हिंसा में 4 लोग मारे गए थे।

सोनम के अलावा लेह की स्थानीय जेल में बंद 56 आंदोलनकारियों में से 26 को 2 अक्टूबर को छोड़ दिया गया। इन पर गंभीर धाराएं नहीं थीं। 30 लोग अभी जेल में हैं।

वांगचुक की पत्नी बोलीं- एक हफ्ता बीता, डिटेंशन ऑर्डर कॉपी नहीं मिली : गीतांजलि ने 2 अक्टूबर को X पर एक पोस्ट में लिखा था- 7 दिन बाद भी मुझे सोनम की सेहत, हालत और नजरबंदी के कारणों के बारे में कोई जानकारी नहीं है। गीतांजलि ने वांगचुक के खिलाफ NSA लगाने के फैसले पर भी सवाल उठाया था।

अंगमो ने कहा था कि उन्हें अभी तक हिरासत आदेश की कॉपी नहीं मिली है, जो नियमों का उल्लंघन है।

नैनीताल का कैंची धाम बन रहा युवाओं की पहली पसंद

- सर्वे के मुताबिक श्रद्धालुओं में 70प्रतिशत सिर्फ युवा; मार्क जुकरबर्ग-विराट कोहली भी टेक चुके माथा

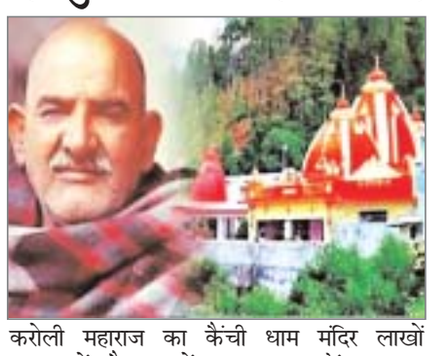

भावनाथ पंडित/हल्द्वानी,एजेंसी। उत्तराखंड के नैनीताल में स्थित विश्वविख्यात बाबा नीम करोली महाराज का कैंची धाम एक बार फिर सुर्खियों में है। देश-विदेश के लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बन चुके इस मंदिर में अब युवाओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है। सांख्यिकी विभाग द्वारा पिछले कई महीनों से किए जा रहे रजिस्ट्रेशन और होल्डिंग कैपेसिटी सर्वे के ताजा आंकड़ों ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। सर्वे के अनुसार हर पांच हजार श्रद्धालुओं में करीब 70 फीसदी युवा होते हैं, जिनकी उम्र 15 से 30 साल के बीच है।अल्मोड़ा-हल्द्वानी हाईवे पर काठगोदाम रेलवे स्टेशन से करीब 38 किलोमीटर दूर स्थित कैंची धाम में रोजाना आस्था का सैलाब उमड़ता है। बॉलीवुड सितारों से लेकर देश-विदेश की जानी-मानी हस्तियां यहां माथा टेक चुकी हैं।

नीम करोली बाबा को हनुमान का अवतार माना जाता : बाबा इस दुनिया में तो नहीं है लेकिन उनको एक रहस्यमयी संत कहा जाता है। फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग और एपल के सह-संस्थापक स्टीव जॉब्स, हॉलीवुड स्टार जूलिया राबर्ट्स, भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी विराट कोहली भी बाबा के भक्तों में शामिल है, जहां मुश्किल दौर में उनकी किस्मत को बाबा ने बदलने का काम किया।यही कारण है कि आज बाबा नीम करोली महाराज का कैंची धाम मंदिर लाखों श्रद्धालुओं और युवाओं का आस्था का केंद्र बन गया है। बाबा नीम करोली का 1973 में निधन हो गया था। इन नामी हस्तियों ने बाबा नीम करोली का जीवंत दर्शन तो नहीं किए लेकिन मंदिर में आकर मात्र दर्शन से उनके बिगड़े हुए काम बने हैं।

बाबा नीम करोली महाराज की आस्था और चमत्कार की कहानी : इंटरनेट पर भी बाबा की कई अनगिनत चमत्कार और कहानियों का जिक्र होता है। जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा के दरबार में पहुंचते हैं और यहां आकर अपने आप को भाग्यशाली मानते हैं। भागदौड़ व प्रतिस्पर्धा भरी जिंदगी में युवाओं के मन में बाबा नीम करौली की आस्था का संचार होना भविष्य के लिए भी सुखद पहलू माना जा रहा है। नीम करोली बाबा को केवल भारत ही नहीं बल्कि विदेशों में भी प्रसिद्ध संत के रूप में जाना जाता है। बाबा 20वीं सदी के महान संतों में से एक थ। बाबा के अनुयायी इन्हें हनुमान जी का अवतार मानते हैं।

जहां सरकार फेल, वहां रामपाल ने जेल से पहुंचाई मदद

- हरियाणा के बाढ़ प्रभावित 200 गांवों को पाइप-मोटरें दीं; पंचायतें बोलीं-बाबा ने निहाल किया

फतेहाबाद,एजेंसी। देशद्रोह समेत कई संगीन आरोपों में 11 साल से हिसार जेल में बंद सतलोक आश्रम संचालक रामपाल इन दिनों जलभराव से प्रभावित गांवों का मददगार बना हुआ है। उसकी ओर से हिसार, भिवानी, फतेहाबाद, जींद, झज्जर जिलों के 200 गांवों में पानी की निकासी के लिए पाइप लाइन और 15 से 20 हॉर्स पावर तक की मोटरें दी गई हैं।यह सामान पंचायतों के माध्यम से दिया गया है। मदद पाने वाले करीब 70 गांवों की लिस्ट सामने भी आई है। ज्यादातर उन गांवों में मदद पहुंचाई गई है, जिन्हें प्रशासन की तरफ से समय पर मदद नहीं मिली। इस पर कई सरपंचों का कहना है कि उन्होंने प्रशासन के पास आवेदन किया, लेकिन मामला फाइलों में भी उलझा रहा। इधर, आश्रम प्रमुख के पास एक बार अर्जी दी, उसके कुछ समय बाद ही सामान पहुंच गया। इन गांवों में प्लास्टिक की पाइपों से लेकर अलग-अलग हॉर्स पावर की मोटरें व तार तक पहुंचाई गई है। गांवों में चार हजार फीट से लेकर 44 हजार फीट तक पाइपें पहुंचाई गई है। 15 हॉर्स पावर वाली मोटर की कीमत 40 से 45 हजार रुपए और 20 हॉर्स पावर वाली 50 से 60 हजार रुपए तक में आती है।

आप ने पंजाब से राजिंदर गुप्ता को राज्यसभा कैंडिडेट बनाया

ट्राइडेंट ग्रुप के चेयरमैन, 5 हजार करोड़ का टर्नओवर; पहले केजरीवाल की चर्चा थी

चंडीगढ़, एजेंसी। आम आदमी पार्टी ने ट्राइडेंट ग्रुप के चेयरमैन राजिंदर गुप्ता को पंजाब से राज्यसभा सीट के लिए उम्मीदवार घोषित कर दिया है। इस संबंध में AAP के राष्ट्रीय महासचिव संदीप पाठक ने इसका लेटर जारी कर दिया है।

राजिंदर गुप्ता पंजाब के सबसे अमीर इंडस्ट्रियलिस्ट्स में से एक माने जाते हैं। उनकी कंपनी का करीब 5 हजार करोड़ का टर्नओवर है। गुप्ता को राज्यसभा भेजने की अटकलें शनिवार को ही लगनी शुरू हो गई थी।

उन्होंने पंजाब आर्थिक नीति एवं योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष और काली माता मंदिर पटियाला की एडवाइजरी मैनेजिंग कमेटी के चेयरमैन पद से इस्तीफा दे दिया था। जिसे आम आदमी पार्टी सरकार ने उनका इस्तीफा मंजूर भी कर लिया। बता दें कि कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा के लुधियाना वेस्ट सीट से विधायक चुने जाने के बाद पंजाब में एक राज्यसभा सीट खाली हो गई थी।

पहले इस सीट से अरविंद केजरीवाल और फिर मनीष सिसोदिया के राज्यसभा जाने की चर्चा थी। हालांकि किसी बाहरी को पंजाब से राज्यसभा भेजने पर 2027 के विधानसभा चुनाव में पंजाबी नाराज न हो जाएं, इसलिए पार्टी ने यह रिस्क नहीं उठाया।

एअर इंडिया ड्रीमलाइनर की इंग्लैंड के बर्मिंघम में इमरजेंसी लैंडिंग

इमरजेंसी टर्बाइन खुलकर नीचे आया; अहमदाबाद में इसी मॉडल का प्लेन क्रैश हुआ था

अमृतसर, एजेंसी। पंजाब के अमृतसर से इंग्लैंड के बर्मिंघम के लिए रवाना हुई एअर इंडिया की फ्लाइट AI117 (बोइंग ड्रीमलाइनर 787-8) की बर्मिंघम में इमरजेंसी लैंडिंग हुई। हालांकि, लैंडिंग पूरी तरह से सेफ रही। घटना 4 अक्टूबर की है। फ्लाइट ने दोपहर 12.52 पर अमृतसर से उड़ान भरी थी। 10.45 घंटे की उड़ान के बाद बर्मिंघम पहुंची थी। लैंडिंग से पहले पायलट ने पाया कि विमान की रैम एयर टरबाइन (RAT) एक्टिव हो गई थी। इसके बाद इमरजेंसी लैंडिंग हुई। एयर इंडिया के मुताबिक, सभी यात्री और क्रू सुरक्षित हैं। जांच में सामने आया कि विमान के सभी इलेक्ट्रिकल और हाइड्रोलिक सिस्टम ठीक से काम रहे थे। प्लेन को ग्राउंड किया गया है। इसकी दिल्ली वापसी की उड़ान भी रद्द की गई।यात्रियों के लिए दूसरी फ्लाइट का इंतजाम किया गया।

पूर्वी दिल्ली में दो साल के मासूम की अगवा कर हत्या, पुलिस का दावा- रंजिश में की गई वारदात

दिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के खजूरी खास इलाके में शुक्रवार शाम दो साल के मासूम राठौर की अगवा कर हत्या कर दी गई। शनिवार सुबह मासूम का शव सीआरपीएफ कैंप की बाउंडरी वॉल के पास खून से लथपथ पड़ा मिला। इसके सिर पर चोट के निशान मिले हैं। आशंका व्यक्त की जा रही है कि किसी भारी वस्तु से सिर पर वार कर हत्या की गई।खजूरी खास थाना पुलिस ने अपहरण और हत्या का मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। खुद अतिरिक्त जिला पुलिस उपायुक्त संदीप लांबा मामले की जांच में जुटे हैं। सीसीटीवी से अहम सुराग मिले हैं। कुछ संदिग्धों की पहचान कर ली गई है। पुलिस के मुताबिक मासूम राठौर अपने परिवार के साथ खजूरी खास फ्लाईओवर के नीचे रहता था। इनके रिश्तेदार भी आसपास ही रहते हैं। माता-पिता मजदूरी करते हैं। शुक्रवार शाम को अचानक खेलते हुए मासूम गायब हो गया।

अभी पुलिस मासूम की तलाश कर ही रही थी कि शनिवार सुबह करीब सवा छह बजे कुछ मॉर्निंग वॉकर्स सीआरपीएफ कैंप के पास पहुंचे। उन्होंने वहां एक मासूम को औंधे मुंह पड़े देखा। उसके सिर से खून निकल रहा था। सूचना मिलते ही पुलिस वहां पहुंची। मासूम की शिनाख्त राठौर के रूप में हुई।

रंजिश में अगवा कर उतारा गया मौत के घाट

पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने मासूम की हत्या करने वाले आरोपियों की पहचान कर ली है। शुरुआती जांच में पता चला है कि आरोपी की मासूम के पिता से रंजिश थी। उसका बदला लेने के लिए ही उसे मौत के घाट उतारा गया है।

अंडरवियर पहनकर अदालत में वर्चुअली पेश हुआ एक शख्स, शराब पी... सिगरेट का कश लगाया; गिरफ्तार

दिल्ली, एजेंसी। पुलिस ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हो रही अदालती कार्यवाही में बाधा डालने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। वह धूम्रपान और शराब पीते हुए अंडरवियर में अदालत में पेश हुआ था। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि गोकुलपुरी निवासी मोहम्मद इमरान (32) एक हिस्ट्रीशीटर है और उसके खिलाफ दिल्ली भर में लूट, झपटमारी और अन्य अपराधों के 50 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। तीस हजारी कोर्ट स्थित न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अंशुल सिंघल की अदालत के रिकॉर्ड कीपर की शिकायत पर 22 सितंबर को मामला दर्ज किया गया था।

उत्तर जिला के पुलिस उपायुक्त राजा बंठिया ने बताया कि आरोपी पर आरोप है कि 16 और 17 सितंबर को एक अज्ञात व्यक्ति अकीब अखलाक नाम से अदालत की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में शामिल हुआ। वह धूम्रपान व शराब पीते हुए अंडरवियर में दिखाई दिया। बार-बार जाने के निर्देश देने के बावजूद, वह कथित तौर पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में मौजूद रहा, जिससे अदालती कार्यवाही में बाधा उत्पन्न हुई। संदिग्ध ने कई फर्जी ईमेल आईडी का इस्तेमाल किया था और बार-बार अपना ठिकाना बदल रहा था। टीम ने आरोपी को पुराने मुस्तफाबाद के चमन पार्क में ढूंढ निकाला और उसके घर से उसे गिरफ्तार कर लिया।

जिज्ञासावश कार्यवाही में शामिल हुआ आरोपी: पूछताछ के दौरान इमरान ने स्वीकार किया कि उसे वेबएक्स वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्लेटफॉर्म के बारे में एक परिचित से पता चला। वह जिज्ञासावश अदालती कार्यवाही में शामिल हुआ। उसने कथित तौर पर स्वीकार किया कि उसने वर्चुअल सुनवाई के दौरान अंडरवियर में सुनवाई में भाग लिया, सिगरेट पी और शराब का सेवन किया।

42 साल पहले कैसे शुरू हुआ आतंकी संगठन, क्यों इजरायल के लिए बना सबसे बड़ी चुनौती

गाजा, एजेंसी। इजरायल और हमास के बीच संघर्ष आज दुनिया की सबसे पुरानी और खूनखराबे वाली जंगों में से एक बन चुकी है। 7 अक्टूबर 2023 को जब हमास ने इजरायल पर अचानक हमला किया, तो पूरी दुनिया दहल उठी थी। इस हमले में 1,000 से ज्यादा लोगों की मौत हुई और करीब 250 नागरिकों को बंधक बना लिया गया। इसके बाद से ही गाजा में इजरायल का सैन्य अभियान जारी है, जिसमें अब तक हजारों लोग मारे जा चुके हैं। लेकिन सवाल यह है कि हमास आखिर बना कैसे इसका इतिहास क्या है और क्यों यह संगठन इजरायल के लिए सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है

हमास की शुरुआत- कैसे हुआ एक आंदोलन का जन्म : हमास का पूरा नाम है – हरकत अल-मुकावमा अल-इस्लामिया यानी इस्लामिक रेजिस्टेंस मूवमेंट। इस संगठन की स्थापना 14 दिसंबर 1987 को शेख अहमद यासीन ने की थी, जब इजरायल के खिलाफ पहला इंतिफादा शुरू हुआ था। हमास की विचारधारा मिस्र के इस्लामी संगठन मुस्लिम ब्रदरहुड से जुड़ी है। यह संगठन खुद को फिलिस्तीन की आजादी और इस्लामिक शासन की स्थापना के मिशन से जोड़ता है।

दिल्ली के शिक्षा मंत्री ने 5.5 करोड़ के विकास कार्यों का पंखा रोड क्षेत्र में किया शिलान्यास

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के शिक्षा मंत्री एवं जनकपुरी के विधायक आशीष सूद ने रविवार को 5.5 करोड़ रुपये की लागत से पंखा रोड क्षेत्र के पुनर्विकास कार्यों का शिलान्यास किया।

इस परियोजना के अंतर्गत नई आरसीसी ड्रेन का निर्माण, ग्रिट प्लास्टर एवम आयरन ग्रिल के साथ टो वाल का निर्माण, फुटपाथ का निर्माण, सड़क के दोनों और स्ट्रीट लाइट लगाने का काम तथा सर्विस लेन में सौंदर्य करण और हरियाली के कामों के साथ-साथ पूरे क्षेत्र की सफाई, सौंदर्यीकरण और लैंडस्केपिंग के अनेक कार्यों का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम में पश्चिमी दिल्ली की सांसद कमलजीत सहरावत के साथ साथ जनकपुरी के कई ब्लॉकों के आरडब्ल्यूए के प्रतिनिधि, स्थानीय निवासी तथा आस पास के बाजारों के दुकानदार भी उपस्थिति रहे।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री ने बताया कि दशकों तक जनकपुरी के निवासियों की आवाज को अनसुना किया गया लेकिन अब बदलाव की हवा बह रही है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में हम दिल्ली के जनकपुरी क्षेत्र के निवासियों की न सिर्फ समस्याएं सुन रहे हैं बल्कि उनके ठोस समाधान के लिए भी दिन-रात कई स्तरों पर काम भी किया जा रहा है अब पूरे जनकपुरी में विकास की हवा बह रही है।

उन्होंने बताया कि आज इसी कड़ी में जनकपुरी के पंखा रोड की में कई विकास कार्यों की शुरुआत की गई है। उन्होंने

कहा की गंदगी, अव्यवस्था, नारकीय जीवन न केवल जनकपुरी बल्कि विकासपुरी, उत्तम नगर, नजफगढ़ और नांगलोई तक के लोगों के लिए एक बड़ी समस्या और चुनोती बन गई थी। यहां से निकलते हुए लोगों को गंदगी, कूड़े, जलभराव, आवारा पशुओं के कारण दुर्घटना होने और टूटे रोड का सामना करना पड़ता था। उन्होंने यह भी कहा की दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में सरकार ने इस समस्या का स्वतः संज्ञान लेते हुए इस पूरे क्षेत्र को आज से स्वच्छ और सुंदर बनाने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। जिसके सुखद परिणाम जल्द ही यहां के निवासियों को देखने को मिलेंगे। साथ ही यहाँ के निवासियों को वर्षों पुरानी समस्याओं से भी मुक्ति मिलेगी।

मंत्री सूद ने कहा कि हम क्षेत्र की जनता और आरडब्ल्यूए के सहयोग से इस क्षेत्र के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। हमारा संकल्प है कि इस क्षेत्र के एक-एक हिस्से को साफ-सुथरा और आकर्षक बनाया जाए ताकि लोग गर्व से कह सके की हम एक विकसित क्षेत्र के निवासी है। उन्होंने भ्रामक प्रचार करने वाले लोगों पर निशाना साधते हुए कहा कि 10 साल में यहां के पिछले विधायक ने जनकपुरी क्षेत्र में विकास का कोई भी काम नहीं किया इसके कारण यह क्षेत्र दिल्ली के अन्य क्षेत्रों से पीछे हो गया। वही लोग झूठे नैरेटिव फैलाकर इस क्षेत्र की जनता को भ्रमित करने और अराजकता फैलाने की कोशिश कर हैं। जब वह लोग हार को जीत में नहीं बदल पाते तो अफवाहों और डर का माहौल बनाते हैं। मंत्री सूद ने क्षेत्र की जनता से अपील की कि वह ऐसे फेक नैरेटिव से सतर्क रहें और जनकपुरी के विकास के मार्ग पर मेरे साथ कदम से कदम मिलाकर साथ चलें।

यमुना के तटों पर प्राकृतिक विरासत को मिलेगा नया जीवन, फिर विकसित किया जाएगा अमृत बायोडायवर्सिटी पार्क

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की प्राकृतिक विरासत को संजोने और यमुना के तटों को नया जीवन देने के लिए डीडीए ने 61.56 लाख की तीन नई परियोजनाएं शुरू की हैं। डीडीए यमुना के बाढ़ क्षेत्र और खास तौर पर आईटीओ ब्रिज से एनएच-24 के बीच के क्षेत्र में अमृत बायोडायवर्सिटी पार्क को फिर से विकसित करेगा। यह परियोजना सीधे तौर पर दिल्ली की प्राकृतिक विरासत को संवारने और शहर को अधिक हरियाली देने के लिए है। इसमें यमुना किनारे आर्द्रभूमि के साथ घास के मैदान, दुर्लभ और स्थानिक पौधों वाले मैदानी वन विकसित करने का लक्ष्य है जो दिल्ली की जैव विविधता को मजबूत करेंगे। डीडीए के विवेक विहार हॉर्टिकल्चर डिवीजन ने कुल 61,56,101 रुपये की तीन प्रमुख बागवानी परियोजनाओं के ऑनलाइन टेंडर जारी किए हैं। 13 अक्तूबर को दोपहर तीन बजे तक टेंडर भरे जाएंगे और 14 अक्तूबर को इनकी तकनीकी बोलियां खोली जाएंगी। डीडीए ने कुल तीन काम के टेंडर जारी किए हैं जिसमें दो परियोजनाएं सीधे यमुना के बाढ़ क्षेत्र में पूर्वी-पश्चिमी तट अमृत बायोडायवर्सिटी पार्क के विकास से जुड़ी हैं। इसमें आईटीओ-बैराज से एनएच-24 तक अमृत बायोडायवर्सिटी पार्क को हरियाली से भरपूर आकर्षक बनाने की योजना है।

एनएच-24 से सीडब्ल्यूजी फ्लैट्स के बीच बड़े पैमाने पर हरित वन क्षेत्र बढ़ाए जाएंगे। यहां पौधे लगाने के लिए अच्छी मिट्टी, यमुना की रेत, गड्ढों की खुदाई, पॉलीथिन बैग, मौसमी बीज, पौधों के तेजी से विकास के लिए पोषण देने वाले बोन मील, नीम तेल और एनपीके उर्वरक की सप्लाई होगी। इसके लिए कुल 48,94,271 रुपये खर्च किए जाएंगे। इस काम को 90 दिन के भीतर पूरा करने का लक्ष्य है।

कालिंदी अविरल नर्सरी होगी विकसित: तीसरी परियोजना के तहत कालिंदी अविरल एक्सटेंशन में नर्सरी विकसित की जाएगी। इसके रखरखाव के लिए डीडीए ने 12,61,830 का बजट रखा है। नर्सरी में गमले, पॉलीथिन बैग और पौधों की सप्लाई होगी। डीडीए ने ठेकेदारों के लिए सख्त नियम रखे हैं। केवल डीडीए में पंजीकृत ठेकेदार ही काम कर सकेगा। डीडीए के अधिकारियों ने कहा कि एलजी वीके सक्सेना बाढ़ क्षेत्र में जैव विविधता विकसित करने को लेकर बेहद गंभीर हैं। वे नियमित रूप से इसकी जानकारी लेते हैं।

आठवीं पास युवक ने नौकरी दिलाने का झांसा देकर देश भर में सैंकड़ों पढ़े लिखे लोगों को ठगा

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण पश्चिम जिले की साइबर थाना पुलिस ने एक शातिर ठग को गिफ्तार किया है। आरोपित आठवीं पास ने देश भर के सैंकड़ों पढ़े लिखे लोगों को एयरपोर्ट पर आकर्षक नौकरी दिलाने के नाम पर झांसा देकर ठगी की वारदात को अंजाम दिया। आरोपित दर्जनों वारदातों को अंजाम देकर अपना ठिकाना बदल लिया करता था। पकड़े गए आरोपित की पहचान मनोज के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से एक स्मार्टफोन बरामद किया है, जिसका इस्तेमाल वह वारदात में करता था।

पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने रविवार को बताया कि आरके पुरम सेक्टर 7 में रहने वाले एस सिंह ने पुलिस को अपने साथ ठगी की शिकायत दी। पीड़ित ने बताया कि उसके पास एक अज्ञात नंबर से फोन आया और फोन करने वाले ने अपना नाम मनोज बताया और पीड़ित को बीडब्ल्यूएफएस कम्पनी में 35 हजार रुपए प्रतिमाह सैलरी पर नौकरी का प्रस्ताव दिया।

पीड़ित को नौकरी की जरूरत थी, ऐसे में उसने नौकरी के लिए हां कर दी। आरोपित ने पीड़ित से 55 सौ रुपये पंजीकरण शुल्क के रूप में गूगल पे करने के लिए कहा। पीड़ित ने पैसे दे दिए। 26 जुलाई को पीड़ित के मेल पर एक पहचान पत्र और अन्य दस्तावेज आए हुए थे। पीड़ित से 15 हजार रुपये का भुगतान करने के लिए कहा गया। पीड़ित ने पैसे ट्रांसफर कर दिए। लेकिन उसके बाद मनोज का नंबर बंद हो गया। पीड़ित को ठगी का एहसास होने पर उसने पुलिस को शिकायत दी। इंस्पेक्टर प्रवेश कौशिक की टीम ने संबंधित धारा में केस दर्ज कर जांच शुरू की।

मोबाइल से पकड़ा गया आरोपित

पुलिस टीम ने जिस खाते में ठगी की रकम जमा की गई थी उसकी जांच की तो पता नहीं चल पाया खाता किसका था। पुलिस ने आरोपित के मोबाइल की जानकारी निकाली। तकनीकी निगरानी की मदद से पुलिस टीम ने महिपालपुर, रंगपुरी, पालम और बिजवासन के उन स्थानों पर छापेमारी की जहां मोबाइल चलाया गया था। तीन दिन तक लगातार छापेमारी के बाद पुलिस ने आरोपित मनोज को दबोच लिया। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि वह सोशल मीडिया से ऐसे लोगों का डाटा लेता था जो नौकरी की तलाश कर रहे होते थे। उसके बाद उन्हें संपर्क करता था। आरोपित ने बताया कि वह 20 से 25 हजार रुपये की ठगी करता था। रकम कम होने के कारण, शिकायतकर्ता अक्सर पुलिस को रिपोर्ट करने से बचते थे और इस तरह वह लोगों को ठगने में सफल हो जाता था।

रूस ने यूक्रेन पर ड्रोन व मिसाइलें बरसाईं, पोलैंड ने हवाई सुरक्षा के लिए किया यह काम

नई दिल्ली, एजेंसी। सितंबर में पोलैंड की ओर से अपने हवाई क्षेत्र में संदिग्ध रूसी ड्रोन को मार गिराए जाने के बाद पूर्वी-नाटो सदस्य हाई अलर्ट पर हैं और कोपेनहेगन और म्यूनिख सहित अन्य स्थानों पर ड्रोन देखे जाने और हवाई घुसपैठ के कारण यूरोपीय विमानन क्षेत्र में अराजकता फैल गई है। आइए इस बारे में जानें। रूस की ओर से यूक्रेन पर हवाई हमले शुरू करने के बाद नाटो के सदस्य देश पोलैंड ने दावा किया है कि उसने अपनी हवाई सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रविवार तड़के अपने विमान भेजे हैं। यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि पोलिश सीमा के पास लवीव क्षेत्र में मिसाइलें और ड्रोन हमले किए गए। पोलैंड की ऑपरेशनल कमांड ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पोलिश और सहयोगी विमान हमारे हवाई क्षेत्र में उड़ान भर रहे हैं, जबकि जमीन आधारित वायु रक्षा और रडार टोही प्रणालियों को तैयारी

की स्थिति में लाया गया है।काठमांडू स्थित त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से आंतरिक उड़ानों को रोक दिया गया है। बारिश के कारण विजिबिलिटी काफी कम होने के कारण उड़ानें स्थगित किए जाने की जानकारी दी गई है।

सितंबर में पोलैंड की ओर से अपने हवाई क्षेत्र में संदिग्ध रूसी ड्रोन को मार गिराए जाने के बाद पूर्वी-नाटो सदस्य हाई अलर्ट पर हैं और कोपेनहेगन और म्यूनिख सहित अन्य स्थानों पर ड्रोन देखे जाने और हवाई घुसपैठ के कारण यूरोपीय विमानन क्षेत्र में अराजकता फैल गई है। शनिवार देर रात हवाई अड्डे की ओर बढ़ते गुब्बारों की संभावित शृंखला की रिपोर्ट के बाद लिथुआनिया के विलनियस हवाई अड्डे को रात भर कई घंटों के लिए बंद कर दिया गया। उड़ान ट्रैकिंग सेवा फ्लाइटराडार 24 के अनुसार, रविवार को सुबह-सुबह वाणिज्यिक उड़ानें उस मार्ग का उपयोग कर रही थीं।

टैरिफ, राष्ट्रपति की शक्तियां व नागरिकता, सुप्रीम कोर्ट के नए कार्यकाल में इन मामलों पर आना है फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका में सुप्रीम कोर्ट का एक महत्वपूर्ण कार्यकाल सोमवार से शुरू हो रहा है। इस कार्यकाल में राष्ट्रपति की शक्तियों के परीक्षण के साथ-साथ मतदान और एलजीबीटीक्यू लोगों के अधिकारों से जुड़े महत्वपूर्ण मामलों पर सुनवाई होनी है। अदालत का रूढ़िवादी बहुमत अब तक कम से कम शुरुआती फैसलों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कई आक्रामक अधिकार-प्रत्यारोपों के प्रति सकारात्मक रहा है। उदारवादी न्यायाधीश केतनजी ब्राउन जैक्सन ने कैल्विन एंड हॉब्स कॉमिक स्ट्रिप का हवाला देते हुए ऐसे ही एक फैसले में रिसर्च फंडिंग में 78.3 करोड़ डॉलर की कटौती की अनुमति दी थी। इसके द्वीपों में अक्सर भूकंप आते हैं। यहां कई विनाशकारी भूकंप आ चुके हैं, जो सुनामी का कारण बनते जैक्सन ने लिखा, यह कैल्विनबॉल न्यायशास्त्र का

एक अनोखा पहलू है। कैल्विनबॉल का सिर्फ एक ही नियम है। कोई निश्चित नियम नहीं हैं। हमारे पास दो नियम हैं- पहला, और दूसरा, यह प्रशासन हमेशा जीतता है।

कंजर्वेटिव न्यायाधीश ट्रंप की कुछ नीतियों की गहन जांच करते समय अधिक संशयी हो सकते हैं। इनमें राष्ट्रपति की ओर से टैरिफ लगाना और जन्मजात नागरिकता पर उनके वांछित प्रतिबंध शामिल हैं। जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय के विधि विद्यालय में सुप्रीम कोर्ट संस्थान के कार्यकारी निदेशक इरव गोर्नस्टीन के अनुसार यदि अदालत में रूढ़िवादी-उदारवादी विभाजन जारी रहता है तो हम अब तक के सबसे अधिक ध्रुवीकरण वाला दौर देखेंगे। न्यायाधीश अगले 10 महीनों में ट्रंप के कुछ सबसे विवादास्पद प्रयासों पर फैसला सुनाएंगे। राष्ट्रपति की शक्तियों पर तीन प्रमुख मामले विचाराधीन हैं नवंबर की शुरुआत में न्यायाधीश ट्रंप के आर्थिक एजेंडे से जुड़े एक अहम मामले की सुनवाई कर रहे हैं।

पोर्टलैंड में ट्रंप प्रशासन को लगा बड़ा झटका, अदालत ने सैनिकों की तैनाती पर लगाई रोक

ओरेगन, एजेंसी। अमेरिका के ओरेगन राज्य की एक संघीय अदालत ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन को फिलहाल पोर्टलैंड में नेशनल गार्ड के जवान तैनात करने से रोक दिया है। यह आदेश उस मुकदमे में दिया गया है जो राज्य सरकार और नगर प्रशासन ने मिलकर दायर किया था।

जज ने क्या की टिप्पणी : अमेरिकी जिला न्यायाधीश करीन इमरगट ने कहा कि यह मामला अमेरिकी लोकतंत्र के तीन बुनियादी सिद्धांतों से जुड़ा है, संघीय सरकार और राज्यों के बीच संबंध, सेना और घरेलू कानून-व्यवस्था के बीच सीमा और सरकार की तीन शाखाओं, कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका, के बीच संतुलन का है। जज ने कहा, हम संविधान द्वारा तय इन संबंधों का कितना पालन करते हैं, यही तय करता है कि हम वास्तव में कानून के शासन के तहत रह रहे हैं या नहीं।

पोर्टलैंड में जो प्रदर्शन हुए वे हिंसक नहीं थे : जज इमरगट ने कहा कि राष्ट्रपति को आम तौर पर नेशनल गार्ड को संघीय नियंत्रण में लेने का अधिकार होता है, लेकिन यह तभी

उचित है जब स्थानीय पुलिस या कानून प्रवर्तन एजेंसियां नियंत्रण खो दें। पोर्टलैंड में ऐसा नहीं हुआ था। अदालत ने पाया कि हाल के दिनों में पोर्टलैंड में जो प्रदर्शन हुए, वे न तो हिंसक थे और न ही बड़े पैमाने पर अव्यवस्था फैली थी। जज ने अपने आदेश में लिखा, राष्ट्रपति का फैसला तथ्यों से जुड़ा नहीं था।

क्या है पूरा मामला: बता दें कि ट्रंप प्रशासन ने हाल में कहा था कि वह 200 नेशनल गार्ड जवानों को 60 दिनों के लिए संघीय नियंत्रण में लेकर पोर्टलैंड में भेजेगा ताकि संघीय संपत्तियों की रक्षा की जा सके। यह निर्णय तब लिया गया जब राष्ट्रपति ट्रंप ने शहर को युद्धग्रस्त बताया था। ओरेगन के अधिकारियों ने इस बयान को हास्यास्पद बताया और कहा कि शहर को किसी सैन्य हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि पोर्टलैंड में हाल के विरोध प्रदर्शन सिर्फ एक ब्लॉक के क्षेत्र तक सीमित थे और उनमें कुछ ही दर्जन लोग शामिल होते थे। इस पर अदालत ने कहा कि राष्ट्रपति का आदेश संविधान और उस संघीय कानून का उल्लंघन है, जो सामान्य परिस्थितियों में सेना को घरेलू कानून लागू करने से रोकता है।

पहले भी अपनी किरकिरी करा चुके हैं ट्रंप : यह पहला मौका नहीं है जब ट्रंप प्रशासन को इस तरह की आलोचना झेलनी पड़ी है। 2020 में भी ट्रंप ने जॉर्ज फ्लॉयड की मौत के बाद चले नस्लीय न्याय आंदोलनों के दौरान पोर्टलैंड में सैकड़ों संघीय एजेंट भेजे थे। तब भी स्थानीय नेताओं ने इसका विरोध किया था। उस समय हुए टकरावों में पुलिस ने रबर की गोलियां और आंसू गैस का इस्तेमाल किया था। बाद में गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) की एक रिपोर्ट में पाया गया कि कई एजेंटों को इस तरह के मिशन के लिए जरूरी प्रशिक्षण और उपकरण नहीं मिले थे। इसी साल अमेरिकी सरकार ने उन लोगों को मुआवजा देने पर सहमति जताई, जिन्होंने अत्यधिक बल प्रयोग के खिलाफ मुकदमा दायर किया था।जापान में शनिवार रात होन्शू के पूर्वी तट पर 6 तीव्रता के भूकंप से धरती कांप उठी। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, होन्शू के पूर्वी तट के पास 6.0 तीव्रता का भूकंप आया। इसका केंद्र जमीन से करीब 50 किलोमीटर गहराई में था। फिलहाल किसी बड़े नुकसान या सुनामी की चेतावनी नहीं है। उल्लेखनीय है कि जापान अत्यंत सक्रिय भूकंपीय क्षेत्र में है।हैं।

अन्य शहरों में भी ट्रंप के फैसले पर विवाद : ट्रंप ने कई अन्य डेमोक्रेट-शासित शहरों, जैसे लॉस एंजेलिस, वॉशिंगटन, शिकागो और मेम्फिस, में भी सैनिक भेजने या भेजने की धमकी दी थी। पिछले महीने एक अन्य अदालत ने लॉस एंजेलिस में ट्रंप की तरफ से तैनात 4700 सैनिकों और मरीन की तैनाती को गैरकानूनी बताया, हालांकि 300 सैनिकों को सीमित भूमिका में बने रहने की अनुमति दी गई थी

मऊ टोल प्लाजा पर टोल कर्मी से मारपीट

पास ही धरने पर बैठे भाजपा नेता कहते रहे - ढंग से मारो, हम सबको छुड़वा लेंगे

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल-रीवा स्टेट हाईवे पर ब्यौहारी के मऊ टोल प्लाजा पर टोल कर्मचारियों के साथ मारपीट हुई है। घटना रविवार दोपहर करीब 2 बजे की है। आरोप है कि टोल कर्मचारियों की पिटाई के दौरान बीजेपी नेता और ब्यौहारी नगर पालिका अध्यक्ष राजन गुप्ता सामने लगे पंडाल में बैठकर देखते रहे।

कर्मचारियों को पीटने के बाद कुछ युवकों ने बूम बैरियर तोड़ने की भी कोशिश की। मारपीट के बाद कर्मचारियों ने खुद को कमरों में बंद कर लिया और ब्यौहारी पुलिस को सूचना दी। पुलिस के पहुंचने के बाद ही कर्मचारी कमरों से बाहर आए।

टोल कर्मी अंकित ने बताया कि घटना से पहले एक ट्रक गलत दिशा से आया और जबरन निकलने लगा। जब हमने रोका तो एक युवक ने बूम बैरियर हटाकर ट्रक को पार करा दिया। कुछ देर बाद वही युवक अपने साथियों के साथ वापस आया और मारपीट करने लगा।

घटना के दौरान ब्यौहारी नगर पालिका अध्यक्ष राजन गुप्ता वहीं मौजूद थे। दरअसल, गुप्ता ट्रक मालिक एसोसिएशन के साथ टोल प्लाजा के पास अनशन पर बैठे थे। उनका कहना है कि टोल प्लाजा का निर्माण नियमों के विरुद्ध हुआ है। इसलिए इसे बंद कराना चाहिए। बता दें कि राजन गुप्ता खुद भी एक ट्रक चालक हैं।

टोल प्लाजा के पास धरने पर बैठे भाजपा नेता राजन गुप्ता: टोल कर्मी अंकित का कहना है कि जब टोल कर्मचारी को घसीटकर युवक ले जा रहे थे तब पांडाल से भाजपा नेता चिल्ला रहे थे ढंग से मारो, हम कुछ नहीं होने देंगे सबको छुड़वा लेंगे।

वहीं राजन गुप्ता ने कहा कि झगड़े की शुरुआत खुद टोल कर्मियों ने की है। उन्होंने एक ट्रक चालक के साथ मारपीट की, जिसके जवाब में ट्रक चालकों ने मिलकर विवाद किया होगा। उस झगड़े से हमारा कोई लेना देना नहीं, हम टोल संचालन की गतिविधि का विरोध कर रहे हैं। ज्ञापन देने के बाद धरने पर बैठे हैं। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पति ने शराब के नशे में पत्नी को पीटा

बेहोश महिला को पड़ोसी लेकर गए अस्पताल, हाथ-पैर में गंभीर चोटें

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के मझौली जनपद पंचायत क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मड़वास में एक 65 वर्षीय पति ने शराब के नशे में अपनी पत्नी की बेरहमी से पिटाई कर दी। इस मारपीट में महिला के एक हाथ और एक पैर में गंभीर चोटें आई हैं, जिसके बाद उसे जिला अस्पताल सीधी में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, यह घटना रविवार सुबह करीब 11 बजे हुई। लक्ष्मण साहू शराब के नशे में घर पहुंचा और अपनी पत्नी मुनि साहू से झगड़ा करने लगा। जब मुनि साहू ने उसे शराब पीने से मना किया, तो पति ने गुस्से में आकर लाठी और डंडों से उसकी पिटाई कर दी।

मुनि साहू ने बताया कि वह अक्सर शराब पीकर घर आता है और मारपीट करता है, लेकिन इस बार उसने इतनी बुरी तरह मारा कि मैं बेहोश हो गई। आस-पास के लोगों ने उन्हें संभाला और अस्पताल पहुंचाया, जिससे उनकी जान बच सकी।

घटना के बाद ग्रामीणों की मदद से मुनि साहू को पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मड़वास में भर्ती कराया गया। वहां उनकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल सीधी रेफर कर दिया।

इस संबंध में मड़वास थाना प्रभारी भूपेश वैश ने बताया कि घटना की जानकारी पुलिस को मिली है। उन्होंने कहा कि घायल महिला का इलाज चल रहा है और जैसे ही वह स्वस्थ होकर बयान देने की स्थिति में आएगी और आवेदन देगी, पुलिस नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई करेगी।

मुख्यमंत्री अन्न सेवा जागरूकता कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत सम्मिलित पात्र हितग्राहियों की सुविधा, राशन सामग्री के प्रति जागरूक करने तथा राशन वितरण व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री अन्न सेवा जागरूकता कार्यक्रम ष्आपका राशन-आपका अधिकारष् प्रारंभ किया गया है। उन्होंने योजना का बेहतर तरीके से क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं।

मुख्यमंत्री अन्न सेवा जागरूकता कार्यक्रम का उद्देश्य: राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम का उद्देश्य 5.28 करोड़ पात्र हितग्राहियों को उनकी राशन सामग्री की मासिक हकदारी के प्रति जागरूक करना है। अन्त्योदय परिवार को 35 किलो प्रति परिवार एवं प्राथमिकता श्रेणी के परिवार को 5 किलो प्रति सदस्य खाद्यान्न नि:शुल्क के साथ 1 किलोग्राम नमक 1 रूपये प्रति किलो की दर से और अन्त्योदय परिवारों को 1 किलोग्राम शक्कर 20 रूपये प्रति किलो की दर से वितरण किया जा रहा है।

कार्यक्रम का क्रियान्वयन: राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत सम्मिलित 130 लाख परिवारों के एक सदस्य का मोबाईल नंबर डाटाबेस में दर्ज है। इन परिवारों को प्रतिमाह विकासखण्ड स्तरीय 308 प्रदाय केंद्र से मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना के तहत 100 वाहनों से उचित मूल्य दुकानों को खाद्यान्न डिस्पेच होगा, उसी समय संबंधित उचित मूल्य दुकानों से पंजीबद्ध उपभोक्ताओं को राशन निकलने का सिस्टम जनरेटेड मेसेज रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर जाएगा।

सोन नदी पुल से 70 वर्षीय महिला ने लगाई छलांग, हाथ-पैर टूटे; जेठ ने कहा- बहू से खाना बनाने को लेकर हुई थी मामूली कहासुनी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के नवीन जोगदह सोनपुल से 70 वर्षीय महिला छोटी साकेत ने सोन नदी में छलांग लगा दी। घटना लगभग रविवार सुबह 11 बजे की है। स्थानीय ग्रामीणों ने महिला को छलांग लगाते देखा और तुरंत अमिलिया थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी राकेश बैस अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

रेस्क्यू में अंतरैला निवासी रामनरेश केवट का विशेष योगदान रहा। उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना नदी में उतरकर महिला को बाहर निकाला। मौके पर मौजूद ग्रामीणों और पुलिस की तत्परता से महिला की जान बच गई।

25 किलोमीटर पैदल चलकर पुल तक पहुंची थी: महिला बल्हया गांव की रहने वाली है। बताया जा रहा है कि महिला अपने घर से करीब 25 किलोमीटर पैदल चलकर पुल तक पहुंची थी। छलांग लगाने के कारण महिला का हाथ और पैर टूट गया है। उन्हें तुरंत अमिलिया अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन गंभीर चोटों के चलते डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। महिला की हालत नाजुक बताई जा रही है।

महिला के जेठ रामधनी साकेत ने बताया कि घर में कोई बड़ा विवाद नहीं था। केवल बहू से खाना बनाने को लेकर मामूली कहासुनी हुई थी। परिजनों ने सोचा कि महिला आसपास ही कहीं होंगी, लेकिन बाद में सूचना मिली कि उन्होंने नदी में छलांग लगा दी है।

अभी बयान देने की हालत में नहीं है महिला: थाना प्रभारी राकेश बैस ने कहा कि, सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंच गई थी। ग्रामीणों के सहयोग से महिला को सुरक्षित बाहर निकाला गया। महिला मानसिक आघात में होने के कारण अभी कुछ बोल नहीं पा रही है। जांच जारी है। कारणों का पता जल्द लगाया जाएगा।

पत्नी से झगड़े के बाद लापता हुए शख्स की लाश मिली, नदी किनारे रेत में दबा मिला शव; 2 दिन से तलाश कर रहे थे परिजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के बहरी थाना क्षेत्र में लापता रामबिलास कोल का शव रेत में दबा मिला है। रविवार दोपहर ग्राम रामडीह में सोन नदी किनारे शव मिलने से हड़कंप मच गया। ग्रामीणों की सूचना पर बहरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाया। शव की पहचान ग्राम रामडीह निवासी रामबिलास कोल के रूप में हुई, जो पिछले दो दिनों से लापता थे। मृतक के बड़े भाई श्यामलाल कोल ने बताया कि रामबिलास दो दिन पहले अपनी पत्नी अनीता कोल से विवाद के बाद घर से निकल गए थे।

परिजनों ने रिश्तेदारों और आस-पास के गांवों में उनकी काफी खोजबीन की थी। आज ग्रामीणों ने सोन नदी के किनारे रेत में दबे शव को देखा, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। शव उनके घर से करीब 8 किलोमीटर दूर सोन नदी के किनारे रेत में दबा हुआ मिला। प्रारंभिक जांच में अनुमान है कि लगातार बारिश के कारण नदी उफान पर थी, जिससे रेत बहकर आई और संभवत: उसी में रामबिलास दब गए होंगे। थाना प्रभारी राजेश पांडे ने बताया कि सूचना मिलते ही टीम ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा तैयार किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए बहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के सही कारण (दुर्घटना, हत्या या आत्महत्या) का खुलासा होगा।

चोरी के शक में युवक को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा

माजन मोड़ पर छह लोगों ने की वारदात, पुलिस बोली- शिकायत पर होगी कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के माजन मोड़ इलाके में दोपहर लगभग 3:30 बजे चोरी के शक में छह लोगों ने एक युवक को सरेराह दौड़ा-दौड़ा कर लात-घूंसों से पीटा। इस घटना का वीडियो सामने आने के बाद इलाके में सनसनी मच गई है।

स्थानीय युवक रूपेश ने बताया कि युवक की पिटाई करने वाले लोग यह बोल रहे थे कि वे उसे कई दिनों से ढूंढ़ रहे थे। आरोपियों का कहना था कि कलेक्टोरेट के पास एक हार्डवेयर की दुकान से इस लड़के ने एंगल चोरी किया था और सीसीटीवी फुटेज में उन्होंने उसका चेहरा पहचान लिया था। इसी बात को बोलते हुए आरोपियों ने युवक की पिटाई की। पीटने के बाद आरोपी युवक को पकड़कर अपने साथ ले गए।

पुलिस कर रही है दोनों पक्षों की तलाश: हालांकि, अब तक कोतवाली थाने में कोई औपचारिक रिपोर्ट दर्ज नहीं करवाई गई है। मामले में बैढ़न थाना प्रभारी अशोक सिंह परिहार का कहना था कि अभी इस संबंध में कोई शिकायत थाने नहीं आई है। उन्होंने आगे बताया, वीडियो के आधार पर हम दोनों पक्षों की तलाश कर रहे हैं, अगर कोई शिकायत आती है तो कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि कानून को हाथ में लेने की इजाजत किसी को नहीं है, चाहे आरोप चोरी का ही क्यों न हो।

ब्यूटी पार्लर में मिला दुर्लभ सांप, कीमत 25 करोड़ तक

सिर और पूंछ एक जैसे, वजन 7 किलो; गुड लक चार्म के नाम से भी फेमस

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शहर के एक ब्यूटी पार्लर से दुर्लभ रेड सैंड बोआ सांप का रेस्क्यू किया गया है। सांप का पता उस वक्त चला जब ब्यूटी पार्लर संचालिका किसी काम से पार्लर के पीछे बने कमरे में पानी लेने गई। उन्हें फर्श के कोने में एक मोटा, भूरा और चमकदार सांप दिखा। घटना शनिवार रात की है।

जैसे ही ब्यूटी पार्लर में सांप होने की सूचना लोगों को मिली भीड़ जमा हो गई। भीड़ में से किसी युवक ने वन विभाग और सर्प रेस्क्यू टीम को सूचना दी। टीम ने सर्प को पकड़ा, जिसकी पहचान रेड सैंड बोआ के रूप में हुई। यह सर्प अपनी दुर्लभता और अंतरराष्ट्रीय बाजार में उच्च कीमत के लिए जाना जाता है।

रेस्क्यू किए गए इस सर्प का वजन 7 किलोग्राम से अधिक और लंबाई लगभग 3 से 4 फीट है। इसका शरीर तांबई-लाल या भूरे रंग का होता है, जो धूप में तांबे जैसा चमकता है। वन विभाग ने इसे सुरक्षित रूप से रेस्क्यू करने के बाद रविवार दोपहर 12 बजे मुकुंदपुर चिड़ियाघर में संरक्षित कर दिया है।

इसलिए कहा जाता है दो मुंह का: रेड सैंड बोआ को आमतौर पर दो मुंहा सांप भी कहा जाता है, क्योंकि इसकी पूंछ का आकार इसके सिर जैसा होता है। यह एक विषहीन और शांत स्वभाव का जीव है।

ये खेतों में चूहों की आबादी को नियंत्रित कर पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हालांकि, अंधविश्वास और अवैध तस्करी के कारण यह प्रजाति विलुप्ति के कगार पर है। वनपाल पंकज मिश्रा और उनकी रेस्क्यू टीम के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में इस सर्प की कीमत 3 करोड़ से 25 करोड़ रुपए तक आंकी जाती है। कुछ देशों में इसे लकी स्नेक या गुड लक चार्म के रूप में देखा जाता है। यह अंधविश्वास कि इससे धन-संपत्ति या सौभाग्य प्राप्त होता है, इसके अवैध व्यापार को बढ़ावा देता है।

सोयाबीन उत्पादक किसानों के हित में भावांतर योजना संचालन हेतु बैठक आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राज्य शासन द्वारा प्रदेश के सोयाबीन उत्पादक कृषकों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाए जाने के उद्देश्य से भावांतर भुगतान योजना के सुचारू संचालन हेतु बैठक का आयोजन रविवार को मंडी प्रांगण, सीधी में किया गया।

बैठक की अध्यक्षता अपर कलेक्टर बीपी पाण्डेय ने की तथा इसमें अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं भारसाधक अधिकारी राकेश शुक्ला, कृषक प्रतिनिधि दृ संतोष सिंह चौहान (बंजारी), डॉ. अम्बिका प्रसाद मिश्रा (रामपुर), जीतेन्द्र सिंह चौहान (डैनिहा), राकेश सिंह चौहान (पटेहरा कला), अंजीन सिंह चौहान (पटेहरा खुर्द), संजय कुमार सोनी (रामपुर) एवं मोती सिंह गहरवार (अमरपुर) उपस्थित रहे। बैठक में कृषि उपज मंडी समिति सीधी के सचिव रावेंद्र अग्निहोत्री, समस्त अनुज्ञप्तिधारी व्यापारी एवं कृषि विस्तार अधिकारी भी सम्मिलित हुए।

विंध्य को गौरवान्वित करने वाली प्रतिभाओं का होगा सम्मान, भोपाल में बघेली संस्कृति का उत्सव

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रदेश में विंध्य को गौरवान्वित करने वाली प्रतिभाओं का सम्मान राजधानी भोपाल में किया जाएगा। विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने वाले विंध्य क्षेत्र के निवासियों के सम्मान के लिए प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी बघेलखंड सांस्कृतिक भवन ट्रस्ट, भोपाल के तत्वावधान में भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह 25 अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में विंध्य के उन सभी प्रतिभाशाली लोगों को सम्मानित किया जाएगा जिन्होंने अपनी मेहनत और समर्पण से क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इनमें संघ लोक सेवा आयोग, मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में चयनित अभ्यर्थियों के साथ ही बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी भी शामिल होंगे।

बघेलखंड सांस्कृतिक भवन ट्रस्ट के महासचिव डॉ. कमलाकर सिंह ने बताया कि इस गरिमामय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं ट्रस्ट के अध्यक्ष विधायक अजय सिंह करेंगे। इस अवसर पर 'बघेली दर्पण' नामक स्मारिका का भी विमोचन किया जाएगा। इस समारोह में विंध्य की उन सभी प्रतिभाओं को आमंत्रित किया गया है जिन्होंने क्षेत्र का मान बढ़ाया है। डॉ. सिंह ने कहा कि ट्रस्ट ऐसे प्रतिभाशाली व्यक्तियों का सम्मान करते हुए गर्व महसूस करता है। कार्यक्रम के बाद दोपहर भोज में बघेली व्यंजनों का आनंद भी लिया जाएगा, जो आयोजन को और विशेष बनाएगा।

बोलेरो की टक्कर से बाइक सवार घायल, काम के लिए आ था युवक; अस्पताल में भर्ती

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के जमोड़ी तिराहे के पास रविवार दोपहर सड़क हादसे में बाइक सवार युवक घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तेज रफ्तार बोलेरो वाहन ने बाइक को टक्कर मारी और मौके से फरार हो गया।

मझौली निवासी सौरव साहू (27) रविवार दोपहर करीब 12 बजे निजी काम से सीधी आ रहे थे। जमोड़ी तिराहे के पास विपरीत दिशा से आ रही बेकाबू बोलेरो ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर सौरव सड़क पर गिर पड़े और उनकी बाइक क्षतिग्रस्त हो गई।

हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत घायल को अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत स्थिर बताई है। हालांकि, सौरव के सिर और पैर में गंभीर चोटें आई हैं, जिसके चलते उन्हें कुछ दिनों तक डॉक्टरों की निगरानी में रखा जाएगा।

अस्पताल चौकी प्रभारी आर.पी. मांझी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और निरीक्षण किया। उन्होंने कहा, घायल व्यक्ति के अस्पताल पहुंचने के बाद एमएलसी फॉर्म जमा कराया गया है। मामला दर्ज कर लिया गया है और संबंधित थाने को आगे की जांच के लिए भेजा जाएगा।

छुआछूत का अभिशाप

संपादकीय

हिमाचल प्रदेश के रोहडू में एक दलित बच्चे के साथ मारपीट और फिर उसका कथित तौर पर आत्महत्या कर लेना शर्मनाक है। यह घटना बताती है कि आज भी समाज में जातिगत भेदभाव की जड़ें कितनी गहरी हैं। बदलाव के लिए दोषियों को दंड दिलाना ही काफी नहीं, लोगों की मानसिकता भी बदलनी होगी।

घर में घुसा था- आरोपों के मुताबिक, यह घटना 16 सितंबर की है। क्लास 6 में पढ़ने वाला 12 साल का बच्चा गांव की दुकान से कुछ सामान लेने गया था। बच्चा दलित था, जबकि दुकान अगड़ी जाति के परिवार की। बताया जा रहा है कि दुकान पर कोई नहीं था, तो बच्चा घर में घुस गया। इसी बात से नाराज होकर आरोपी महिला ने उसे धमकाया, मारा-पीटा और फिर घर का शुद्धिकरण करने के लिए एक बकरी की मांग की। कथित तौर पर घबराए बच्चे ने बाद में कीटनाशक पीकर जान दे दी।

बाद में जुड़ीं धाराएं- आरोपी महिला पर पहले आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज हुआ था। बाद में जब तक SC/ST एक्ट की धाराएं जोड़ी गईं, तब तक उसे हाई कोर्ट से जमानत मिल गई। अब जब मामला तूल पकड़ रहा है, तो पुलिस जांच में तेजी आई है।

आंकड़ों में अत्याचार- हिमाचल की यह वारदात देश में जाति के नाम पर होने वाले अत्याचारों का एक काला सच है। आंकड़े बताते हैं कि 2022 में देशभर में दलितों के खिलाफ अपराध के 51 हजार से ज्यादा मामले दर्ज किए गए थे और इनमें 80% से ज्यादा केवल केवल 6 राज्यों के थे - यूपी, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, ओडिशा और महाराष्ट्र। इन आंकड़ों से भी ज्यादा चिंताजनक बात यह रही कि SC/ST एक्ट के तहत सजा मिलने की दर में कमी नोट की गई - साल 2020 में conviction rate 39.2% था, जबकि 2022 में 32.4%।

हर जगह समस्या- भले ही कुछ जगहों से केस ज्यादा सामने आए हों, लेकिन कोई भी राज्य यह दावा पूरी तरह से नहीं कर सकता कि उसके यहां दलितों को किसी तरह का अपमान या अत्याचार नहीं सहना पड़ता। सरकार किसी भी दल की हो, दलितों से भेदभाव हकीकत बना हुआ है। ऐसी घटनाएं तो हमेशा सुनाई ही पड़ती रहती हैं, जहां किसी दलित दूल्हे को उसकी जाति की वजह से घोड़ी पर न बैठने दिया गया हो। कमजोर की रक्षा- संविधान का अनुच्छेद 46 कहता है कि राज्य को समाज के कमजोर वर्गों के हितों की सुरक्षा करनी चाहिए। देश में इसके लिए कानून भी मौजूद हैं। लेकिन समाज को भी आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है कि आज जब हम विकसित भारत का सपना देख रहे हैं, तब भी ऐसी घटनाएं हो रही हैं, जो शर्मनाक है।

हरियाणा शिक्षक स्थानांतरण: नीति, प्रक्रिया और उलझन

डॉ. सत्यवान सौरभ

(वित्त विभाग की मंजूरी, स्थानांतरण में देरी, दंपत्ति मामलों, मध्य-अवधि स्थानांतरण, ऑनलाइन प्रणाली, नई नियुक्तियाँ, प्रत्यायोजन और निष्पक्षता के बहाने।)

फाइनेंस विभाग से अतिरिक्त भत्ते की मंजूरी होने के बावजूद फ़ाइलों का बार-बार लंबित रहना कर्मचारियों में भ्रम पैदा करता है। दंपत्ति मामलों में पहले से चल रहे मामलों के बावजूद पुनः प्रक्रिया शुरू होना यह संकेत देता है कि नीति जानबूझकर जटिल बनाई जाती है, जिससे निर्णय बाधित हों। शिक्षा मंत्री ने कहा कि मध्य-अवधि स्थानांतरण का कोई प्रभाव नहीं होगा, लेकिन जमीन पर इसका असर नहीं दिखाई देता। इन सभी कारणों से शिक्षक असंतोष में हैं और वे चाहते हैं कि स्थानांतरण प्रक्रिया स्पष्ट, समयबद्ध और निष्पक्ष हो, ताकि शिक्षा की गुणवत्ता और संतुलन बनाए रखा जा सके। शिक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया था कि मध्य-अवधि स्थानांतरण का कोई प्रभाव नहीं होगा, लेकिन वास्तविकता में प्रशासन इसे अक्सर बहाना बनाने के तरीके के रूप में इस्तेमाल करता है। केवल पारदर्शी, समयबद्ध और निष्पक्ष प्रक्रिया ही शिक्षक और छात्रों के हित में स्थिरता और गुणवत्ता सुनिश्चित कर सकती है।

हरियाणा में शिक्षक स्थानांतरण और पदस्थापन की प्रक्रिया वर्षों से विवादों और असंतोष का कारण रही है। शिक्षक और कर्मचारी यह महसूस करते हैं कि नीतियाँ जितनी स्पष्ट घोषणाओं में दिखाई देती हैं, उतनी ही वास्तविकता में जटिल और उलझी हुई हैं। यह मामला केवल कर्मचारियों के हित का नहीं है, बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र की पारदर्शिता, निष्पक्षता और गुणवत्ता से जुड़ा हुआ है। जब वित्त विभाग से किसी पद की स्वीकृति मिल जाती है, तब भी कई बार स्थानांतरण प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब हो जाता है। ऐसा बजट संबंधी बाधाओं, दस्तावेजी प्रक्रियाओं या प्रशासनिक स्तर पर बार- बार अनुमोदन की अनावश्यकता के कारण होता है। इस विलंब से केवल प्रक्रिया धीमी नहीं होती, बल्कि नीति के उचित और समय पर पालन में बाधा आती है। कर्मचारी महीनों तक अनिश्चितता में रहते हैं, जिससे उनका मनोबल गिरता है और शिक्षा प्रणाली की दक्षता प्रभावित होती है।

दंपत्ति मामलों में, जहाँ शिक्षक अपने जीवनसाथी के साथ पदस्थापन चाहते हैं, पहले से लंबित मामलों के बावजूद पुनः जांच और अनुमोदन की प्रक्रिया शुरू कर दी जाती है। इससे कर्मचारी अनावश्यक असुविधा में पड़ते हैं और यह नीति की जटिलता को स्पष्ट करता है। इससे यह भी संकेत मिलता है कि प्रशासन कई बार प्रक्रिया को जानबूझकर लंबा खींचता है।

स्थानांतरण रोकने वाले पक्षों की बात करें, तो इसमें कई स्तर शामिल हैं। लंबे समय से किसी स्थान पर तैनात कर्मचारी अपने स्थान से हटना नहीं चाहते। संघ और संगठन अपने सदस्यों के हित की रक्षा के लिए हस्तक्षेप करते हैं। इसके अलावा, प्रशासन भी अनुभवी कर्मचारियों को संवेदनशील पदों पर लंबे समय तक बनाए रखना पसंद करता है। इन सभी कारकों के कारण स्थानांतरण प्रक्रिया अक्सर संतुलित और निष्पक्ष नहीं होती।

शिक्षा मंत्री ने प्रेस में कहा था कि मध्य-अवधि स्थानांतरण लागू होंगे, लेकिन वास्तविकता में इसका कोई प्रभाव नजर नहीं आता। यह विरोधाभास कर्मचारियों में भ्रम और असंतोष पैदा करता है। घोषणाओं और वास्तविक कार्यान्वयन के बीच यह अंतर यह संदेश देता है कि केवल बयानों से नीति लागू नहीं होती। अन्य विभागों में ऑनलाइन स्थानांतरण प्रणाली सहज रूप से लागू हो रही है, जबकि शिक्षा विभाग में यह प्रक्रिया धीमी और जटिल बनी हुई है। इसका कारण केवल तकनीकी कठिनाई नहीं है। प्रशासनिक प्रतिरोध, पारंपरिक कार्य संस्कृति और स्थानीय अधिकारियों की प्राथमिकताएँ इसमें योगदान करती हैं। जब तक सभी पक्ष पारदर्शिता और समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित नहीं करेंगे, ऑनलाइन प्रणाली प्रभावी नहीं हो सकती।

नई नियुक्तियों के समय पर्याप्त स्थान उपलब्ध होने के बावजूद स्थानांतरण में देरी होती है। इससे प्रश्न उठता है कि क्या कर्मचारियों को जानबूझकर दूर भेजा जा रहा है या कुछ को सुविधा दी जा रही है। आने वाले वर्ष में जनगणना के कारण स्थानांतरण न होने की संभावना इस प्रश्न को और गंभीर बना देती है।

संघ भारत के परम वैभव का स्वप्न दृष्टा

हृदयनारायण दीक्षित

संघ के प्रति लोगों की जिज्ञासा बढ़ रही है। आखिरकार संघ कैसे जाना जाए? याज्ञवल्क्य ने मैत्रेयी को तत्वज्ञान दिया था। बृहदारण्यक उपनिषद (अध्याय दो, ब्राह्मण 5) में ऋषि ने बताया, यह पृथ्वी सभी भूतों (मूल तत्व) का मधु है और सब भूत इस पृथ्वी के मधु। शंकराचार्य का भाष्य है, जिस प्रकार एक छत्ता अनेक मधुकरों द्वारा तैयार किया जाता है, उस प्रकार सभी भूत इस पृथ्वी के मधु कार्य हैं। फिर सूर्य, चन्द्र और आकाश को भी मधु कार्य बताते हैं। फिर अग्नि के लिए कहते हैं, यह अग्नि समस्त भूतों का मधु है और समस्त भूत इस अग्नि के मधु। अंत में कहते हैं, यह धर्म और सत्य समस्त भूतों का मधु है। फिर कहते हैं, यह मनुष्य भी समस्त भूतों का मधु है और सभी भूत इस मनुष्य के मधु। मैं उसी तर्ज पर कहता हूँ कि भारत का सनातन धर्म सभी भूतों का मधुरस है और सभी भूत सनातन धर्म के मधुरस। पूरे आत्मविश्वास के साथ लिख रहा हूं, सनातन धर्म व हिन्दू जीवन रचना का सर्वोत्तम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में प्रकट हुआ।

संघ विचार आधारित संगठन है। 1925 में केशव बलिराम हेडगेवार के नेतृत्व में संघ की स्थापना हुई। राष्ट्र निर्माण की चुनौतियों पर चर्चा हुई और संघ की नींव पड़ गई। संघ का कार्य क्षेत्र विस्तृत होता गया। इसी के साथ मार्क्सवादी संगठन का भारत में उदय हो गया। विचारधारा के प्रति आग्रह में संघ व वामपंथ आमने सामने रहे। परिस्थितियां तेजी से बदल गईं। वामपंथ का वैज्ञानिक भौतिकवाद पिछड़ता चला गया। संघ में आत्मीयता थी। सांस्कृतिक आधार था।

विश्व विचारों से भरापूरा है। विचार विविधता भारतीय संस्कृति का आभूषण है। यहां अनेक विचार हैं। गौतम का 'न्याय दर्शन' है, कपिल का 'सांख्य' है। कणाद का वैशेषिक है, जैमिनि का 'मीमांसा' है और वादरायण का वेदान्त। यहां बुद्ध और जैन भी हैं। इस्लाम आने के साथ ही मजहबी विचारधारा भी आई। ईस्ट इण्डिया कम्पनी के बाद ईसाइयत का विचार भी फलाफूला लेकिन 1925 में कानपुर में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जन्म के साथ आए वैज्ञानिक भौतिकवादी विचार ने नई पीढ़ी को झकझोर दिया था। मार्क्सवाद परदेसी विचार था और संघ का राष्ट्रवाद स्वदेशी। दोनों विचारधाराओं में कांटे की टक्कर हुई। टक्कर पीछे 100 साल से जारी है। अब कम्युनिस्ट विचार के लोग पुरातात्विक मिथक जैसे हो गए हैं। संघ विचार के कार्यकर्ताओं ने उन्हें उनके गढ़ केरल में घुसकर चुनौती दी है। संघ कार्यकर्ताओं की हत्या भी हुई। हिंसक विचार का अंत हो गया। संघ बढ़ता गया।

वामपंथ का अस्त अस्वाभाविक नहीं है। अंधविश्वासी पंथिक विचार का आधुनिक विश्व में अब कोई भविष्य नहीं। मार्क्सवाद का सामाजिक दर्शन ईसाई पंथिक विचार का विरोधी था। मार्क्स ने इसी संदर्भ में ईश्वर को अफीम कहा था। ईसाईयत का ईश्वर मार्क्स की दृष्टि में अंधविश्वास था। वैज्ञानिक दृष्टिकोण में अंधविश्वास का स्थान नहीं होता। तर्क बुद्धि और अर्थशास्त्र से पैदा मार्क्सवाद भी मजहब बन गया। अब वाद-विवाद संवाद में उनकी आस्था नहीं। वामपंथी अपनी भारत विरोधी टिप्पणियों के लिए विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हवाला देते हैं। लेकिन दूसरे पक्ष के सही और संवैधानिक तथ्य को भी थोपा जाना बताते हैं। वंदेमातरम् राष्ट्रगीत है। वे कहते हैं कि इसका थोपा जाना अनुचित है। राष्ट्रभाव स्वाभाविकता है, वे कहते हैं कि राष्ट्रवाद का थोपा जाना असहिष्णुता है। राष्ट्रीय एकता और अखण्डता की निष्ठा अपरिहार्य है। वे इसे भी थोपे जाने का आरोप लगाते हैं। उनकी प्रकृति पंथिक अंधविश्वासी है। संघ भारत के परम वैभव का स्वप्न दृष्टा है।

चीन का हमला हुआ। यह आज भी भारत के मन पर गहरा जख्म है। कम्युनिस्ट पार्टी के भीतर कम्युनिस्ट चीन और अपने भारत की निष्ठा को लेकर द्वन्द्व था। पार्टी टूट गई। चीन प्रिय मार्क्सवादी कम्युनिस्ट हो गए और शेष भारतीय कम्युनिस्ट। यों यहां कम्युनिस्ट विचार के दो दर्जन से ज्यादा संगठन हैं। नक्सलबाड़ी रक्तपात से निकले समूह नक्सलपंथी या माओवादी कहे जाते हैं। संसदीय जनतंत्र में विश्वास न करने वाले समूह बंदूक विश्वासी है। दूसरों को फासिस्ट बताने वाले वाम समूह ने 1975 में श्रीमती इन्दिरा गांधी की फासिस्ट तानाशाही का समर्थन किया था। बीस माह के आपातकाल में पूरा देश यातनागृह था। तब भी कम्युनिस्ट फासिस्ट सत्ता के समर्थक थे। कम्युनिस्ट श्रीमती सोनिया गांधी के संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन में भी थे। कहने को इस गठबंधन का 'न्यूनतम साझा कार्यक्रम' था लेकिन वस्तुतः यह प्रच्छन्न सत्ता भागीदारी की तिकड़म थी। उन्होंने अपनी शक्ति का दुरूपयोग किया। वे सत्ता को हिलाते थे, सत्ता हिलती थी। वे अपने विचार थोपते थे। संप्रग सिर झुकाने को विवश था। संघ राजनीति से अलग अपने ध्येय में लगा रहा।

2008 में वाम बाएं मुड़ गये। वे अमेरिकी परमाणु करार के विरोधी थे। उन्होंने संभवतः पहली दफा 'राष्ट्रहित' शब्द का प्रयोग किया कि राष्ट्रहित में यह कार्रवाई आगे नहीं बढ़नी चाहिए। तब पश्चिम बंगाल बचा था। वाम हिंसा और कुशासन से पीड़ित बंगाली जनसमुदाय ने उन्हें खारिज किया। अब वह किसी एक सहयोग से फिर से अखिल भारतीय होने के प्रयास में थे, लेकिन उनसे यारी को कोई तैयार नहीं हुआ। उनकी विदाई हो गई है। तो भी तमाम राष्ट्रीय जिज्ञासाएं हैं। मसलन उन्होंने गांधी का विरोध क्यों किया? उन्होंने सुभाष चन्द्र बोस का समर्थन क्यों नहीं किया? उन्होंने 1857 को स्वाधीनता संग्राम क्यों नहीं माना? आपातकाल का समर्थन क्यों किया? उन्होंने पूर्वज आर्यों को विदेशी सिद्ध करने में ही सारी बौद्धिक शक्ति क्यों लगाई? सवाल और भी हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बिना सदस्यता पर्ची ही दुनिया का सबसे बड़ा संगठन बन गया। यह राष्ट्रीय होकर भी अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा में है। कम्युनिस्ट अंतरराष्ट्रीय होकर भी क्यों अभिशप्त हैं?

संघ के स्वयंसेवक अपने दैनिक कार्यक्रमों में राजनैतिक नारेबाजी नहीं करते। उनके लिए राष्ट्र सर्वोपरि है। हम सब राष्ट्र के ही भाग हैं। देश में कई बार राष्ट्रीय आपदाएं आईं। गुजरात में भूकंप हो, दक्षिण भारत में सुनामी हो, ओड़िसा में तूफान हो, केदारनाथ की त्रासदी हो, 1962, 1971 आदि वर्षों का युद्धकाल हो, संघ के स्वयंसेवक ऐसे संकट के समय सेवाभाव लेकर सक्रिय रहे। संघ हिन्दू और हिन्दुत्व का सम्पूर्ण अधिष्ठान लेकर सक्रिय है। राष्ट्रजीवन में 100 बरस बहुत ज्यादा नहीं, लेकिन यह अवधि बहुत कम भी नहीं कही जा सकती। देश के सभी घरों में बिजली पानी है। 100 बरस की सेवा का अनुभव कुछ और विशिष्ट गढ़ने में लगाया जा सकता है। भारत को भारत की नियति तक ले जाना हम सबका कर्तव्य है। मैं इस संगठन का 60 वर्षीय स्वयंसेवक अपने में गर्व का अनुभव करता हूँ।

आभासी दुनिया से परे वास्तविक कला : जयराम शुक्ल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा की धरती सदा से कला और संस्कृति की उर्वरा भूमि रही है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए उत्कृष्ट विद्यालय रीवा के सभागार में 3 एवं 4 अक्तूबर 2025 को कला संगम 2025 का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। यह दो दिवसीय उत्सव संस्कृति संचालनालय, मध्यप्रदेश शासन के सहयोग से आर्ट प्वाइंट सांस्कृतिक शिक्षा समिति, रीवा द्वारा आयोजित किया गया। यह आयोजन कला, साहित्य और संस्कृति का सार्थक संगम था, जहाँ रचनाशीलता और सृजनात्मकता ने मिलकर नया वातावरण रचा। इस आयोजन का उद्देश्य न केवल कला के विभिन्न रूपों को प्रदर्शित करना था, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना था कि युवा पीढ़ी कला और संस्कृति के प्रति जागरूक हो। दो दिनों तक चित्रकला, मूर्तिकला और ललित कलाओं की विविध विधाओं पर प्रशिक्षण कार्यशालाएँ आयोजित की गईं, जिनमें विशेषज्ञ रिषी जैन एवं प्रज्ञा पाण्डेय ने प्रशिक्षण दिया। इन कार्यशालाओं में बच्चों और युवाओं ने गहरी रुचि दिखाते हुए अपनी सृजनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यशालाओं के दौरान, बच्चों ने विभिन्न कला तकनीकों को सीखा और अपने विचारों को कागज पर उतारा। इस प्रक्रिया ने उन्हें आत्म–द्×श्च्यश्रह्ड्डह्लद्बश्ठ्ठ का अवसर दिया, जिससे उनकी रचनात्मकता को निखारने में मदद मिली। साथ ही, लगाई गई कला प्रदर्शनी आगंतुक दर्शकों का आकर्षण का केंद्र बनी रही। कला उत्सव में रंगों की छटा और आकृतियों की अभिव्यक्ति ने हर दर्शक को मंत्रमुग्ध कर दिया। विभिन्न विद्यालयों से आए बच्चों में उत्साह देखते ही बनता था। उनकी जिज्ञासा, सीखने का उत्साह और कृतियों में दिखाई देती कल्पनाशक्ति इस बात का प्रमाण थी कि कला का भविष्य सुरक्षित हाथों में है।

कला संगम केवल दृश्य कला तक सीमित नहीं रहा; यहाँ नृत्य, संगीत और नाट्य–कला के कलाकारों ने भी अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। अंशिका मिश्रा एवं इशिता पालीवाल ने एकल नृत्य की प्रस्तुति दी, जबकि शिवानी मिश्रा और स्नेहा पाटकर ने युगल नृत्य प्रस्तुत किया। केडेंजा म्यूज़िक ग्रुप की प्रस्तुति ने तबले की ताल, गिटार की धुन और गायकी की सुरीली आवाज़ों से वातावरण को संगीत–मय बना दिया।

इतना ही नहीं, लोक कला का जादू भी आयोजन में पूरी तरह छाया रहा। विंध्य क्षेत्र का प्रसिद्ध दुल–दुल घोड़ी लोक नृत्य दर्शकों के आकर्षण का केंद्र बना रहा। अंतर्राष्ट्रीय लोककलाकार राजमणि तिवारी भोला भाई के नेतृत्व में प्रस्तुत यह नृत्य मनोरंजन के साथ लोक सांस्कृतिक धरोहर का जीवंत उत्सव था।

इसी क्रम में, आर्ट प्वाइंट सांस्कृतिक शिक्षा समिति के तीस सदस्यीय दल ने पपेट शो का एक नया प्रयोग प्रस्तुत किया वो पुराने दिन, जिसने शिक्षा, बचपन और जीवन की आपाधापी से जुड़ी गहरी संवेदनाओं को कलात्मक रूप में व्यक्त किया। इस प्रस्तुति में अन्वेशा शुक्ला, प्रेरणा, अंकिता, अस्तित्व, अनुज, अभय, अदिति मिश्रा, धैर्य, दिव्यांशु, आन्या, अंशुमान, नौरीन खान, आरुषि, आर्या, रिद्धी, उत्कर्ष आदि 30 कलाकारों ने भाग लिया।

यह प्रस्तुति दर्शकों को भावुक करने के साथ–साथ सामाजिक चेतना जगाने में भी सफल रही। कला संगम में कला प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया, जिसमें प्रमुख चित्रकार सुनंदा पालीवाल, इशिता पालीवाल, प्रकृति सिंह परिहार, आकृति विश्वकर्मा, समृद्धि गौतम, शिखा मिश्रा, आदित्य शुक्ला, आकृति पांडे आदि ने अपनी उत्कृष्ट कला का प्रदर्शन किया।

शिक्षा युद्ध मानसिकता को बदलने का सशक्त माध्यम बने

विश्व शिक्षक दिवस 5 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में मनाया जाता है। इस दिन आध्यापकों को सामान्य रूप से और कतिपय कार्यरत एवं सेवानिवृत्त शिक्षकों को उनके विशेष योगदान के लिये सम्मानित किया जाता है। इसे संयुक्त राष्ट्र द्वारा साल 1966 में यूनेस्को और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की उस संयुक्त बैठक को याद करने के लिये मनाया जाता है, जिसमें शिक्षकों की स्थिति पर चर्चा हुई थी और इसके लिये सुझाव प्रस्तुत किये गये थे। इस दिवस को 1994 के बाद से प्रतिवर्ष लगभग 100 से अधिक देशों में मनाया जा रहा है और इस प्रकार वर्ष 2025 में यह 33वाँ विश्व शिक्षक दिवस होगा।

- ललित गर्ग -

इस साल की थीम है-'शिक्षण को सहयोगी पेशे के रूप में फिर से परिभाषित करना।' इसका मतलब है कि पढ़ाई सिर्फ एक व्यक्ति का काम नहीं होना चाहिए। शिक्षक आपस में मिलकर अनुभव शेयर करें, नई तकनीकें अपनाएं और मिलकर शिक्षा प्रणाली को और मजबूत बनाएं। इस तरह शिक्षक न सिर्फ अपने पेशे में संतुष्ट रहेंगे, बल्कि छात्रों को भी बेहतर शिक्षा मिल सकेगी। इस साल का संदेश यही है कि शिक्षा को सुधारने के लिए शिक्षण को व्यक्तिगत प्रयास से ऊपर उठाकर साझेदारी और सहयोग का पेशा बनाना होगा। जब शिक्षक मिलकर विचार साझा करेंगे और जिम्मेदारियां बांटेंगे, तभी शिक्षा अधिक प्रभावी और प्रेरक बन पाएगी। शिक्षक सिर्फ ज्ञान देने वाले नहीं होते, बल्कि वे समाज में नवाचार, समानता और परिवर्तन के बीज बोते हैं। वे बच्चों को सपने देखने और उन्हें पूरा करने का साहस सिखाते हैं, शिक्षक ही दुनिया में शांति एवं सह-जीवन का प्रभावी सन्देश दे सकते हैं। शिक्षक को पर्याप्त सम्मान, सहयोग और अवसर मिलें तो शिक्षा के माध्यम से एक आदर्श समाज-व्यवस्था एवं शांति की विश्व-संरचना स्थापित की जा सकती है। 2025 में विश्व शिक्षक दिवस की सबसे बड़ी सभा अदीस अबाबा, इथियोपिया में आयोजित हो रही है। विश्व शिक्षक दिवस केवल एक औपचारिकता या शिक्षकों का अभिनंदन करने का अवसर भर नहीं है, बल्कि यह अवसर है शिक्षा की दिशा और दशा को लेकर गहन चिंतन करने का। यह अवसर है यह विचारने का कि आज शिक्षा क्या दे रही है और क्या उसे देना चाहिए। यह अवसर है यह पूछने का कि आज की शिक्षा व्यवस्था केवल नौकरी, व्यवसाय और उपभोग की भूख को बढ़ाने का साधन क्यों बन गई है, क्यों उसमें जीवनमूल्य, नैतिकता, शांति, सहअस्तित्व और अहिंसा जैसे आधारभूत तत्व लुप्त होते जा रहे हैं। यदि शिक्षा का ध्येय केवल ज्ञानार्जन या रोजगार प्राप्ति है तो वह अधूरी है। शिक्षा का परम ध्येय है-मनुष्य को मनुष्य बनाना, उसे सह-अस्तित्व, अमन और अयुद्ध की स्थितियों के प्रति उन्मुख करना।

आज दुनिया भय, हिंसा, युद्ध और तनाव के घेरे में है। तकनीक और विज्ञान ने सुविधाएं दी हैं, लेकिन उसके साथ शस्त्र-प्रतिस्पर्धा, परमाणु हथियारों का अंबार, और हिंसक प्रवृत्तियां भी दी हैं। इस भयावह परिदृश्य में शिक्षा का दायित्व केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं रह सकता। शिक्षा को एक आंदोलन बनना होगा, एक वैश्विक अभियान बनना होगा, जो शांति, अहिंसा और अयुद्ध की भावना को संस्कार के रूप में हर हृदय में स्थापित करे। आज की शिक्षा व्यवस्था पश्चिमी उपभोक्तावादी संस्कृति से प्रभावित होकर स्पर्धा, लाभ और अहंकार की मानसिकता पैदा कर रही है। बच्चे स्कूल और कॉलेजों में डिग्री तो प्राप्त कर रहे हैं, लेकिन उनके भीतर करुणा, दया, सत्य, मैत्री और सहयोग जैसे गुणों का विकास नहीं हो रहा। समाज का ढांचा शिक्षा से निर्मित होता है, यदि शिक्षा अधूरी है तो समाज भी अधूरा रहेगा। अतः एक ऐसी नई शिक्षा व्यवस्था की आवश्यकता है, जिसमें विज्ञान और तकनीक के साथ-साथ अध्यात्म और नैतिकता का संगम हो, जिसमें 'आत्मा की आवाज़' सुनी जा सके, जिसमें शिक्षा केवल बुद्धि का पोषण न होकर हृदय और संवेदनशीलता का भी निर्माण करे।

मानवता का सबसे बड़ा संकट युद्ध और हिंसा है। युद्ध केवल सेनाओं के बीच नहीं होता, बल्कि वह हमारे विचारों में, हमारी इच्छाओं में और हमारी संस्कृति में पलता है। शिक्षा का कार्य है इस युद्ध-मानसिकता को बदलना। शिक्षा को बच्चों और युवाओं के मन में यह स्थापित करना होगा कि शक्ति का वास्तविक स्वरूप हिंसा में नहीं, बल्कि अहिंसा में है। युद्ध में नहीं, बल्कि शांति में है। महात्मा गांधी ने कहा था-÷यदि हमें शांति चाहिए तो हमें बच्चों को शांति की शिक्षा देनी होगी।÷ यह शिक्षा केवल पाठ्यक्रम का हिस्सा न होकर व्यवहार का हिस्सा बने। शिक्षक स्वयं शांति के प्रतीक हों, वे अपने आचरण और जीवन से यह संदेश दें कि संघर्ष का समाधान हथियारों से नहीं, संवाद और सहमति से होता है। शिक्षा को केवल सरकारी योजनाओं या संस्थागत ढांचे पर नहीं छोड़ देना चाहिए। इसे एक आंदोलन के रूप में चलाने की आवश्यकता है। यह आंदोलन अहिंसा का शिक्षण कराए, संवाद की संस्कृति विकसित करे, मानवता को जाति-धर्म और राष्ट्र की सीमाओं से परे प्राथमिकता दे, पर्यावरण और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता पैदा करे और सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करे। यह आंदोलन तभी सफल होगा जब शिक्षक अपनी भूमिका को समझेंगे और केवल ज्ञान देने वाले नहीं, बल्कि जीवन की दिशा दिखाने वाले बनेंगे। वे दीपक की तरह स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश दें। उनके व्यक्तित्व में सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, करुणा और सेवा का भाव झलके। शिक्षक केवल पाठ्यक्रम न पढ़ाए, बल्कि जीवन पढ़ाए। एक विचारक ने कहा है-÷शिक्षक वह नहीं है जो तुम्हें तथ्यों का ज्ञान कराए, बल्कि वह है जो तुम्हें सोचने के लिए प्रेरित करे।÷ इसके लिये केवल शिक्षा-क्रांति ही नहीं, बल्कि शिक्षक-क्रांति अपेक्षित है। आज आवश्यकता है कि शिक्षक बच्चों के हृदय को छूने वाले बने, वे केवल करियर बनाने की चिंता न करें, बल्कि चरित्र बनाने का प्रयास करें। शिक्षा रोजगारपरक ही नहीं, जीवनपरक हो। यदि दुनिया में शांति चाहिए, यदि आतंकवाद, हिंसा और युद्ध को समाप्त करना है तो हमें शिक्षा की दिशा बदलनी होगी। शांति और अहिंसा के बीज बचपन में बोने होंगे। अयुद्ध की स्थितियां केवल समझौते से नहीं, बल्कि संस्कार से पैदा होती हैं। शिक्षा को संस्कार की धारा बनना होगा। नए युग की शिक्षा व्यवस्था को यह संकल्प लेना होगा कि वह ऐसे मनुष्य तैयार करेगी जो भौतिक समृद्धि में ही नहीं, आध्यात्मिक ऊंचाई में भी आगे हों। जो हथियार न बनाएँ, बल्कि हाथों में करुणा और सहयोग का दीपक थामें। जो दूसरों के शोषण पर नहीं, बल्कि साझा सुख पर विश्वास करें।

विश्व शिक्षक दिवस हमें यह याद दिलाता है कि शिक्षा केवल शिक्षकों और छात्रों की बात नहीं है, यह समूची मानवता का प्रश्न है। शिक्षा को यदि हम सही दिशा देंगे तो यह दुनिया स्वर्ग बन सकती है। यदि गलत दिशा देंगे तो यह नर्क में बदल सकती है। आज आवश्यकता है एक वैश्विक शिक्षा-आंदोलन के साथ-साथ शिक्षक-आन्दोलन की, जिसमें हर राष्ट्र, हर समाज और हर व्यक्ति की भागीदारी हो। नई शिक्षा व्यवस्था वही होगी जो युद्ध की संस्कृति को बदलकर शांति की संस्कृति स्थापित करे, हिंसा की प्रवृत्तियों को बदलकर अहिंसा की चेतना जगाए, और स्वार्थ की जगह सहयोग को जीवन का मूल मंत्र बनाए। यही शिक्षा का सच्चा उत्सव होगा, यही शिक्षक दिवस का वास्तविक संदेश।

केन्द्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह मांझी-चालकी के साथ अभिनन्दन भोज में हुए शामिल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज जगदलपुर के लालबाग मैदान में बस्तर दशहरा पर्व से जुड़े मांझी-चालकी, मेम्बर एवं मेम्बरीन के सम्मान में आयोजित अभिनंदन भोज में शामिल हुए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अभिनंदन भोज में परोसे गए आदिवासी समाज के पारम्परिक व्यंजनों की सराहना करते हुए कहा कि ये पारम्परिक व्यंजन बस्तर की संस्कृति, परंपरा और आदिवासी जीवन मूल्यों का अनूठा स्वाद प्रस्तुत करते हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बस्तर की आदिवासी परंपरा में मांझी-चालकी, मेंबर और मेंबरीन के साथ अभिनंदन भोज केवल एक सत्कार नहीं है, बल्कि यह भाईचारे, सामुदायिक मेल-जोल और सांस्कृतिक समरसता का जीवंत प्रतीक है। यह अवसर न केवल बस्तर की समृद्ध और जीवंत आदिवासी संस्कृति का उत्सव है, बल्कि हमारी सामाजिक एकता और स्थानीय परंपराओं के प्रति सम्मान की भी अभिव्यक्ति है।

अभिनंदन भोज में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, वन मंत्री केदार कश्यप, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, सांसद महेश कश्यप एवं भोजराज नाग, विधायक सर्वश्री किरण सिंह देव, विनायक गोयल, चैतराम अटामी, नीलकंठ टेकाम, आशाराम नेताम तथा लता उसेंडी सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मां दंतेश्वरी की पूजा-अर्चना कर देश-प्रदेश की सुख-शांति

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जगदलपुर स्थित बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। उन्होंने मां दंतेश्वरी से देश और प्रदेश की सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, वन मंत्री केदार कश्यप, पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, बस्तर सांसद एवं बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष महेश कश्यप, कांकेर सांसद भोजराज नाग, जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव, चित्रकोट विधायक विनायक गोयल, कोंडागांव विधायक सुश्री लता उसेंडी, दंतेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी, केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम, कांकेर विधायक आशाराम नेताम सहित जनप्रतिनिधिगण एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

गिरधर देवांगन का घर बना मिनी पावरहाऊस

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना उपभोक्ताओं के लिए साबित हो रही वरदान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना आम उपभोक्ताओं के लिए वरदान साबित हो रही है। राजनांदगांव शहर के गौरी नगर निवासी गिरधर लाल देवांगन इसका जीवंत उदाहरण हैं। गिरधर देवांगन बताते हैं कि उन्हें जब समाचार पत्र के माध्यम से इस योजना की जानकारी मिली, तो उन्होंने तुरंत इस योजना के तहत आवेदन कर अपने घर की छत पर 5.5 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित कराया। इस पर कुल लागत 3 लाख 40 हजार रूपए आयी। योजना के तहत केंद्र सरकार की ओर से उन्हें 78 हजार रूपए की सब्सिडी प्राप्त हुई है, वहीं राज्य शासन की ओर से 30 हजार रूपए की अतिरिक्त सब्सिडी मिलने वाली है। इस प्रकार 1 लाख 8 हजार रुपए की सब्सिडी से सोलर सिस्टम की वास्तविक लागत आधी हो जाएगी।

बिजली बिल हुआ शून्य और मैं उपभोक्ता से ऊर्जा उत्पादक बना: गिरधर देवांगन ने बताया कि सोलर सिस्टम लगने के बाद पहले ही महीने से सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। उनके घर की मासिक औसत बिजली खपत लगभग 510 यूनिट है, जबकि सोलर पैनल से पहले महीने में 615 यूनिट बिजली का उत्पादन हुआ। यह उनकी खपत से 105 यूनिट अधिक है। अतिरिक्त बिजली ग्रिड में जमा हो रही है, जिसका उपयोग आवश्यकता पडऩे पर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मेरे घर में सोलर सिस्टम से घर बन गया है मिनी पावरहाऊस। सूर्यघर योजना से मेरे घर का बिजली बिल शून्य हुआ और मैं उपभोक्ता से ऊर्जा उत्पादक बन गया हूं।

कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित करने में मिलेगी मदद: देवांगन ने कहा आगामी 4 से 5 वर्षों में ही सोलर पैनल की लागत निकल जाएगी जबकि सोलर पैनल 20-25 साल तक काम करता है, जिससे वर्षों तक मुफ्त बिजली का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि पहले हम सिर्फ बिजली खर्च करते थे, अब हम बिजली का उत्पादन भी कर रहे हैं। यह योजना हमारे लिए सचमुच वरदान साबित हुई है। उन्होंने बताया कि अब उनके घर का बिजली बिल शून्य हो गया है। इस बची हुए राशि को वे अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई और अन्य घरेलू आवश्यकताओं में खर्च कर पा रहे हैं। अक्षय ऊर्जा के रूप में सौर ऊर्जा के उपयोग से कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस जैसे सीमित संसाधनों पर निर्भरता कम होती साथ ही प्रदूषण, कार्बन उत्सर्जन और जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए गिरधर देवांगन ने नागरिकों से प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेकर बिजली खर्च में बचत करने और देश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करने की अपील की है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना का किया शुभारंभ

जनसुविधाओं को बढ़ाने के लिए तेजी से कार्य कर रही है हमारी सरकार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बस्तर से नक्सलवाद का अंत शीघ्र होगा और क्षेत्र में शांति स्थापित कर हम विकास के नए आयाम गढ़ेंगे। बस्तर और सरगुजा क्षेत्र के सुदूर अंचलवासी अब विकास से विश्वास तक की यात्रा में सहभागी बनकर विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएंगे। केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने जगदलपुर से मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना का शुभारंभ करते हुए यह बात कही। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने यात्री बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और क्षेत्रवासियों को इस विशेष पहल के लिए शुभकामनाएं दीं।

केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ के विकास के लिए डबल इंजन की सरकार प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। लाल आतंक की समाप्ति प्रदेश के सुदूर इलाकों को विकास की मुख्यधारा से

जोड़ेगी। आज प्रारंभ हुई यात्री बस सेवा हमारे नागरिकों के जीवन में नई ऊर्जा का संचार करेगी। उन्होंने कहा कि अब 250 गांवों के लोग अपने निकटवर्ती शासकीय कार्यालयों, स्कूलों और अस्पतालों तक आसानी से पहुंच पाएंगे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने क्षेत्रवासियों को बधाई देते हुए कहा कि हमारी सरकार जनसुविधाओं को बढ़ाने के लिए तेजी से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना का उद्देश्य यात्री बस सुविधा से वंचित गांवों में बसों का परिचालन सुनिश्चित करना है। इससे लोग कम लागत में अपने गंतव्य तक समय पर पहुंच सकेंगे। रोज़मर्रा के कामकाज, शासकीय कार्यों और अन्य गतिविधियों में भी सहूलियत बढ़ेगी।

उल्लेखनीय है कि ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में परिवहन सुविधाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना शुरू की गई है। इस महत्वाकांक्षी योजना का लक्ष्य उन गांवों तक बस सेवा पहुँचाना है, जहाँ अब तक सार्वजनिक परिवहन की सुविधा उपलब्ध नहीं थी। इस पहल से ग्रामीणों को सुरक्षित, समयबद्ध और सुविधाजनक यात्रा का अवसर मिलेगा, जो उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

योजना के पहले चरण में बस्तर और सरगुजा पर फोकस: योजना के पहले चरण में बस्तर और सरगुजा संभाग को प्राथमिकता दी गई है। इन क्षेत्रों में कुल 34 मार्गों पर 34 बसों का संचालन प्रारंभ होगा। इस पहल से 11 जिलों के 250 नए गांव बस सेवा से जुड़ेंगे। यह प्रयास विशेष रूप से उन ग्रामीण क्षेत्रों के लिए वरदान साबित होगा, जहां सड़क संपर्क सीमित है और लोग जिला मुख्यालय या अन्य महत्वपूर्ण स्थानों तक पहुंचने के लिए लंबी दूरी पैदल तय करते हैं।

ग्राम पंचायत से जिला मुख्यालय तक कनेक्टिविटी: मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना का मुख्य उद्देश्य ग्राम पंचायत से लेकर जिला मुख्यालय तक निर्बाध बस कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना है। इससे ग्रामीणों को स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और बाजार जैसी आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने में आसानी होगी। योजना के तहत संचालित बसें समयबद्ध और सुरक्षित यात्रा का भरोसा देंगी।

जय गुप्त ने लगाया 5 किलोवाट का सोलर रूफ टॉप, सरकार की सब्सिडी का मिला लाभ

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से बिजली उपभोक्ता बनेंगे 'उर्जा दाता'

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। पारंपरिक बिजली उपभोक्ता अब खुद बिजली दाता बन रहे हैं। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने आम नागरिकों के जीवन में यह बड़ा बदलाव संभव किया है। अम्बिकापुर देवीगंज रोड वार्ड क्रमांक 15 के निवासी जय गुप्त ने अपने घर की छत पर 5 किलोवाट का सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित कराया है। मात्र एक माह में उनके सोलर प्लांट ने 354 यूनिट से अधिक बिजली का उत्पादन किया है। जय गुप्त बताते हैं कि अब न सिर्फ बिजली बिल से राहत मिलेगी बल्कि अतिरिक्त बिजली बेचकर आय भी होगी।

सब्सिडी और आर्थिक लाभ: प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत 5 किलोवाट का सोलर प्लांट लगवाने पर केंद्र सरकार से 78 हज़ार रुपये और राज्य सरकार से 30 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त होगी। कुल मिलाकर उपभोक्ता को 1 लाख 8 हज़ार रुपये की आर्थिक सहायता मिलती है। इस पहल से बिजली उपभोक्ता अपने घर की खपत पूरी करने के साथ-साथ अतिरिक्त बिजली बेचकर आमदनी भी प्राप्त कर सकते हैं।

जय गुप्त का कहना है कि यदि अधिक से अधिक नागरिक इस योजना को अपनाएं, तो भविष्य में शहर ही नहीं, पूरा प्रदेश ऊर्जा आपूर्ति में आत्मनिर्भर बन सकता है। इस योजना दोहरा लाभ

मिल रहा है, बिजली बचाइए और अतिरिक्त बिजली बेचकर आमदनी कमाइए। यह आम आदमी को सशक्त बना रही है।

नेशनल पोर्टल pmsuryaghar.gov.inपर अपने बिजली उपभोक्ता संख्या और मोबाइल नंबर के साथ पंजीकरण करना होगा। इसके बाद अधिकृत वेंडर का चयन कर सोलर रूफटॉप प्लांट लगवाया जा सकता है। यदि उपभोक्ता किसी कारण वेंडर से संतुष्ट नहीं है, तो वेंडर बदलने का भी विकल्प है।

ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम: केंद्र और राज्य सरकार की इस संयुक्त पहल से आने वाले समय में हर घर की छत पर बिजली उत्पादन का साधन बनेगा। इससे न केवल घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी बल्कि प्रदेश और देश को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने में भी मदद मिलेगी।

महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ की बहनों के जीवन में लाई है नई रोशनी

माई दंतेश्वरी की धरती से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दी महतारी वंदन की सौगात

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की 'मोदी की गारंटी' के तहत शुरू की गई महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ की बहनों के जीवन में नई रोशनी लाई है। यह योजना केवल आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि महिलाओं के आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता को बढ़ाने वाला ऐतिहासिक कदम है। केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने आज जगदलपुर में बस्तर दशहरा एवं मुरिया दरबार के अवसर पर माई दंतेश्वरी की धरती से राज्य की 64 लाख 94 हजार 768 हितग्राही महिलाओं को महतारी वंदन योजना की 20वीं किस्त के रूप में 606 करोड़ 94 लाख रुपये की राशि अंतरित करते हुए यह बात कही।

केंद्रीय मंत्री श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी का सपना है कि हर महिला सशक्त और आत्मनिर्भर बने तथा देश के सामाजिक और आर्थिक विकास

में बराबरी की भागीदारी निभाए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने जिस पारदर्शिता और प्रतिबद्धता से इस योजना को लागू किया है, वह पूरे देश के लिए एक आदर्श है। यह योजना आने वाले वर्षों में प्रदेश के सतत विकास और महिला सशक्तिकरण की मजबूत नींव साबित होगी।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ की बहनों के जीवन में आत्मविश्वास और सम्मान की नई ऊर्जा का संचार कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की 'मोदी की गारंटी' के रूप में मिली यह सौगात हमारे प्रदेश की महिलाओं को न केवल आर्थिक सहयोग दे रही है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाकर समाज और परिवार में एक नई पहचान भी दिला रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि छत्तीसगढ़ की हर महिला सशक्त बने और विकास की यात्रा में बराबरी की भागीदार बने। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ सरकार की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और स्वावलंबी बनाने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। महतारी वंदन योजना ने प्रदेश की महिलाओं को न केवल घरेलू जरूरतों को पूरा करने का साधन दिया है, बल्कि उन्हें समाज में आत्मसम्मान और आर्थिक स्वतंत्रता के साथ जीने का अवसर भी प्रदान किया है।

प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना से बदल रही ग्रामीण महिलाओं की जिंदगी

पिंकी मुद्रा लोन से बनी आत्मनिर्भर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। पिंकी ने अपने किराना व्यवसाय को आगे बढ़ाने का सपना देखा। इस सपने को साकार करने के लिए उन्होंने पीएम मुद्रा लोन के तहत 70 हजार रुपये का स्वयंसिद्धा लोन लिया और अपनी दुकान का विस्तार किया। दुकान बड़ी होने से न केवल उनकी आय बढ़ी, बल्कि ग्राहकों का विश्वास और पहुँच भी मजबूत हुई और वह आर्थिक विकास करने साथ ही आत्मनिर्भर बन गई।

प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए एक नई उम्मीद जगाई है। इस योजना के जरिए महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे वे अपने व्यवसाय की शुरुआत कर अपने पैरों पर खड़ी हो रही हैं। जशपुर जिले के मनोरा विकासखंड की ग्राम पंचायत मनोरा की रहने वाली श्रीमती पिंकी सोनी बिहान महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ी हुई हैं। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें शासन की योजनाओं की जानकारी मिली

और आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाने का अवसर प्राप्त हुआ।

पिंकी सोनी कहती हैं समूह से जुड़ने के बाद मेरे जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। छत्तीसगढ़ शासन की योजनाओं की जानकारी मिली और आत्मनिर्भर बनने का आत्मविश्वास भी हासिल हुआ। प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना का उद्देश्य स्वयं .सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। यह योजना स्वयं .सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराकर सक्षम बनाना है।

बड़ादमाली प्राथमिक शाला बड़ादमाली में बच्चों की पढ़ाई में आई नई ऊर्जा

युक्तियुक्तकरण से अभिभावकों ने जताया आभार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्राथमिक शाला बड़ादमाली में युक्तियुक्तकरण के तहत श्रीमती अर्चना श्रीवास्तव को पदस्थ किया गया है। उनके आने से विद्यालय में अब कुल तीन शिक्षक जिसमें एक प्रधानपाठक और दो सहायक शिक्षक कार्यरत हैं। विद्यालय में लगभग 80 विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, जिन्हें अब नियमित और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिल रहा है।

कभी बड़ादमाली प्राथमिक शाला में शिक्षकों की कमी के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही थी। बच्चों की संख्या के अनुपात शिक्षक को कई कक्षाओं का भार संभालना पड़ता था। परिणामस्वरूप बच्चों की शिक्षा में निरंतरता और गुणवत्ता दोनों प्रभावित हो रही थीं। युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया ने इस समस्या को दूर किया है।

विद्यालय में नए शिक्षक की पदस्थापना से बच्चों और उनके अभिभावकों में उत्साह है। अब प्रत्येक कक्षा में समय पर पढ़ाई हो रही है और बच्चों को व्यक्तिगत ध्यान भी मिल पा रहा है। अभिभावकों ने कहा कि तीन शिक्षक होने से बच्चों की पढ़ाई की गति बढ़ेगी और वे परीक्षाओं में भी बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे।

प्रधानपाठक और अन्य शिक्षक भी बताते हैं कि अब कार्यभार

संतुलित हो हुआ है, कक्षाओं का विभाजन से शिक्षण कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। इससे बच्चों को विषयवार शिक्षा मिला रही है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर शिक्षक युक्तियुक्तकरण से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है और प्रत्येक बच्चे तक समान रूप से शिक्षा का अधिकार मिला है।

नगरीय निकायों को सभी खुदाई कार्यों की जानकारी एप पर अपलोड करने के निर्देश

रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने राज्य के सभी नगरीय निकायों को खुदाई कार्यों की जानकारी सी-बड (CBuD - Call Before u Dig) मोबाइल एप पर अनिवार्यत: अपलोड करने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने सभी नगर निगमों के आयुक्तों तथा नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को इस संबंध में परिपत्र जारी किया है। विभाग ने नगरीय निकायों में पदस्थ सभी अभियंताओं को निकायों में चल रहे सभी निर्माण कार्यों की खुदाई की जानकारी मोबाइल एप पर शीघ्र अपलोड करना सुनिश्चित करने को कहा है। नगरीय प्रशासन विभाग के संचालक श्री आर. एक्का ने निकायों को जारी परिपत्र में कहा है कि केन्द्रीय संचार मंत्रालय के दूरसंचार विभाग द्वारा नगरीय निकाय क्षेत्रों में विभिन्न खुदाई कार्यों जैसे पाइपलाइन, केबल, गैस पाइपलाइन आदि कार्यों के लिए विभिन्न एजेंसियों के द्वारा किए जा रहे सड़कों की खुदाई के कार्यों की जानकारी अनिवार्य रूप से सी-बड (Call Before u Dig) मोबाइल एप पर अपलोड कराने के लिए निर्देशित किया गया है। दूरसंचार विभाग ने इसके लिए एप का अधिक से अधिक उपयोग करने को कहा है।

मुरिया दरबार में शामिल हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मांझी-चालकी से किया सीधा संवाद

बस्तर को नसलवाद से मुक्त करने किया सहयोग का आह्वान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह और प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय बस्तर दशहरा पर्व के अवसर पर जगदलपुर के सिरहासार भवन में आयोजित मुरिया दरबार में शामिल हुए। बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के चित्र पर दीप प्रज्वलित करने के पश्चात केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने मांझी-चालकी से सीधा संवाद करते हुए बस्तर से माओवाद को समाप्त करने में सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि माओवाद से जुड़कर हथियार उठा चुके बच्चों को समझाएं कि वे मुख्यधारा में लौटें और शासन की योजनाओं का लाभ लें।

केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी बस्तर के विकास और

नक्सलवाद को समाप्त करने के लिए दृढ़संकल्पित हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने मांझी-चालकी से संवाद करते हुए कहा कि मार्च 2026 तक बस्तर को नक्सलवाद से मुक्त कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि बस्तर के युवा डॉक्टर, इंजीनियर, डिप्टी कलेक्टर और कलेक्टर बनकर पूरे छत्तीसगढ़ की सेवा करें। यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि युवा नक्सलवाद से न जुड़ें और जो जुड़ चुके हैं, वे आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटें। जहां-जहां नक्सलवाद समाप्त हुआ है, वहां छत्तीसगढ़ सरकार तेजी से विकास कार्य कर रही है और लोगों को शासकीय योजनाओं से लाभान्वित कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने मुरिया दरबार में मांझी-चालकी को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार बस्तर दशहरा पर्व को और भव्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। बस्तर दशहरा के लिए दी जाने वाली राशि 25 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये की जा रही है। साथ ही बस्तर दशहरा पर्व के परंपरागत स्थलों जिया डेरा, माडिया सराय इत्यादि के विकास और निर्माण कार्य भी सुनिश्चित किए जा रहे हैं।

इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह, मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और अन्य अतिथियों का बस्तर दशहरा समिति के परंपरागत सदस्य मांझी-चालकी, मेम्बर-मेम्बरिन और नाईक-पाईक ने पारंपरिक पगड़ी एवं माला पहनाकर आत्मीय स्वागत किया।

मुरिया दरबार को उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा और सांसद एवं बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष श्री महेश कश्यप ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर वन मंत्री श्री केदार कश्यप, आदिम जाति कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम, पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, सांसद कांकेर श्री भोजराज नाग, विधायक जगदलपुर श्री किरण देव, विधायक कोण्डागांव सुश्री लता उसेण्डी, विधायक चित्रकोट श्री विनायक गोयल, विधायक दंतेवाड़ा श्री चैतराम अटामी, विधायक केशकाल श्री नीलकंठ टेकाम, विधायक कांकेर श्री आशाराम नेताम, बस्तर राजपरिवार के सदस्य श्री कमलचंद्र भंजदेव, बस्तर दशहरा समिति के उपाध्यक्ष श्री बलराम मांझी सहित बस्तर दशहरा समिति के पारंपरिक सदस्य मांझी-चालकी, मेम्बर-मेम्बरिन और नाईक-पाईक उपस्थित थे।

छतरपुर में सड़क हादसों में 19 गायों की मौत

आरोप- नपाकर्मियों ने खुले में फेंके शव, पीएम नहीं कराया; बजरंग दल ने किया चक्काजाम

छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर जिले में सड़क हादसों में 19 गायों की मौत हो गई। बड़ामलहरा और सिटी कोतवाली क्षेत्र में हुए इन हादसों के बाद गायों के शव खुले में फेंक दिए गए और उनका पोस्टमॉर्टम भी नहीं कराया गया। इन घटनाओं से लोगों में आक्रोश है। आरोपियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर बजरंग दल ने दोपहर करीब एक बजे बड़ामलहरा बस स्टेंड के पास चक्काजाम कर दिया। अधिकारी उन्हें समझाइश दे रहे है।

बड़ामलहरा में अज्ञात वाहन ने 15 गायों को कुचला: गंज तिराहा, बिजली कार्यालय और तहसीलदार कार्यालय के सामने एक अज्ञात वाहन ने करीब 15 गायों को कुचल दिया। इस हादसे में सभी गायों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद भी पशु चिकित्सा अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे।

लोगों का आरोप है कि नगर परिषद के कर्मचारियों ने मृत गायों के शवों को ट्रैक्टर-ट्रॉली में भरकर शहर के बाहर खुले में फेंक दिया। न तो उनका पोस्टमॉर्टम किया गया और न ही दफनाने की व्यवस्था की गई। इस दौरान कुत्ते और कौवे मृत गायों के शवों पर मंडराते हुए वीडियो में देखे गए।

सिटी कोतवाली क्षेत्र में 4 गायों की मौत: वहीं शनिवार को छतरपुर सिटी कोतवाली के सरानी ब्रिज पर तेज रफ्तार ट्रक ने 5 गायों को कुचल दिया। इनमें से चार गायों की भी मौके पर मौत हो गई, जबकि एक घायल गाय को अस्पताल में भर्ती कराया गया। दोनों हादसों से आक्रोशित होकर बजरंग दल ने दोपहर करीब एक बजे बड़ामलहरा बस स्टेंड के पास चक्काजाम कर दिया। वह आरोपियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग कर रहे है। इस दौरान मौके पर एसडीएम समेत पुलिस-प्रशासन के अधिकारी मौजूद है।

कलेक्टर के आदेश के बाद भी नहीं रुकीं दुर्घटनाएं: 6 अगस्त को कलेक्टर ने जिले भर में 15 दिनों के भीतर आवारा पशुओं को सड़क से हटाकर गोशालाओं में सुरक्षित रखने के आदेश दिए थे। इसके बावजूद सड़क दुर्घटनाओं में आवारा पशुओं की मौत जारी है।

जिम्मेदारों की लापरवाही और आरोप-प्रत्यारोप: बड़ामलहरा थाना प्रभारी श्रद्धा शुक्ला ने बताया कि आरोपी वाहन की तलाश जारी है। ब्लॉक पशु चिकित्सा अधिकारी बृजेश कोरको ने कहा कि उन्हें इस घटना की कोई जानकारी नहीं मिली। नगर परिषद ष्टश्वह्र रामसजीवन पटेल ने बताया कि पशु विभाग को सूचना दी गई थी, लेकिन वे मौके पर नहीं पहुंचे, इसलिए शवों को हटाना पड़ा।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष बोले- भाजपा गाय माता के नाम पर राजनीति करती है: कांग्रेस जिला अध्यक्ष गगन यादव ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा केवल गाय माता के नाम पर राजनीति करती है, लेकिन गाय के मामले में कार्रवाई नहीं करती। उन्होंने कहा कि गाय के मांस पर टैक्स लगाया गया है, जो गलत है।

खंडवा हादसा-11 मौतों के जिम्मेदार ट्रैक्टर ड्राइवर को भेजा जेल

दो घायल बच्चे डिस्चार्ज; इंदौर में एक का चल रहा है इलाज

खंडवा, एजेंसी। खंडवा में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुए हादसे में 11 लोगों की मौत हुई। इस मामले में ट्रैक्टर ड्राइवर दीपक किराड़े को शनिवार को जेल भेज दिया गया है। हादसे में हुई 25 साल से कम उम्र के मृतकों में सिर्फ एक विधवा महिला थी, बाकी स्कूल पढ़ने वाले बालक-बालिकाएं थी।

तीन घायल बच्चों में से खंडवा जिला अस्पताल में इलाजरत दो बच्चें स्वस्थ हो गए हैं, जिन्हें शाम को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया है। एम्बुलेंस की मदद से उन्हें उनके गांव पाडलफाटा छोड़ा गया हैं। इसके अलावा एक बालिका की हालत अब भी गंभीर बनी हुई हैं। जिसे इंदौर रेफर कर दिया गया था।

सोनू नाम की इस बालिका का इलाज इंदौर में चल रहा है। सोनू ट्रैक्टर ड्राइवर दीपक की बहन लगती हैं। उधर, मृतकों के परिवार के लोग हादसे के तीसरे दिन भी सदमें से उबर नहीं पाए हैं। दो लोगों की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें पंधाना अस्पताल लाया गया था। हादसे को याद कर तो कोई अपनों को खोने का दर्द नहीं सहन कर पा रहा हैं। लगातार लोगों की तबीयत बिगड़ती जा रही हैं। शनिवार को सुबह से लेकर शाम तक चार बार पंधाना अस्पताल से एम्बुलेंस गांव जा चुकी हैं।

गुरुवार को दुर्गा विसर्जन के दौरान अर्दला डैम के बैकवाटर से सटे जामली गांव में हादसा हुआ था। पानी में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से सवार 35 लोग डूब गए थे।

हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई थी। वहीं 3 लोग घायल हो गए। बाकी ने तैरकर जान बचाई तो कुछ लोगों को जामली के ग्रामीणों ने रेस्क्यू कर बाहर निकाला। सभी लोग राजगढ़ ग्राम पंचायत के तहत आने वाले पाडलफाटा के रहने वाले थे। हादसे के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी ने भी गांव पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की।

कार चालक की कॉलर पकड़ी, चांटा मारा

नर्मदापुरम में प्रतिमा विसर्जन करने जाते समय झड़प

नर्मदापुरम, एजेंसी। नर्मदापुरम में मीनाक्षी चौक के पास ऑटो में टक्कर लगने पर एक कार ड्राइवर और कार में बैठे लोगों से जमकर मारपीट और झुमाझटकी की हुई। ऑटो में बैठे महिला पुरुषों ने यह मारपीट की, जो ऑटो में मूर्ति रख विसर्जन के लिए ले जा रहे थे। यह घटना शनिवार शाम करीब 6 बजे की है।

विवाद के दौरान घटनास्थल पर लोगों की भीड़ भी जमा हो गई थी। मारपीट से यातायात भी बाधित हुआ। मारपीट के वीडियो मौजूद लोगों ने बना लिए। जो अब सामने आया है।

मामले में कोई शिकायत नहीं होने से मारपीट करने वालों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई नहीं हुई है। वीडियो में साफ नजर आ रहा कि कार ड्राइवर और उसमें बैठे एक व्यक्ति पर ऑटो में बैठे लोग किस तरह से हावी होकर मारपीट कर रहे। महिलाएं पकड़कर कह रही, इसने मुझे मारा। काले रंग और सफेद रंग के शर्ट पहने युवक थप्पड़ मार रहे। यातायात पुलिस का आरक्षक बचाव करने आया लेकिन आक्रोशित लोगों के सामने अकेला यातायात पुलिस कर्मी बेबस रहा है। कुछ देर तक घटनाक्रम चलते रहा। जिससे देखने वाले लोगों की भीड़ लग गई। मामले में दोनों पक्ष की तरफ से शिकायत नहीं की गई। एसडीओपी जितेंद्र पाठक का कहना है कि एक्सीडेंट या विवाद के संबंध में थाने में कोई शिकायत नहीं हुई।

पिता के निधन पर बेटी ने नेत्रदान कराया

सागर में 86 साल के रिटायर्ड इंजीनियर ने पत्नी को बताई थी अंतिम इच्छा

सागर, एजेंसी। सागर में 86 वर्षीय पिता का निधन होने के बाद बेटी ने उनका नेत्रदान कराया। उन्होंने जीवित रहते ही पत्नी से नेत्रदान करने की इच्छा जताई थी। बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों की टीम ने मौके पर पहुंचकर सुरक्षित नेत्रदान की प्रक्रिया पूरी कराई है।

जानकारी के अनुसार, सागर के मकरोनिया स्थित आजमनी कैंपस निवासी रिटायर्ड इंजीनियर सत्य कुमार चक्रवर्ती का शहर के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। सांस की बीमारी और ब्रेन स्ट्रोक के कारण इलाज के दौरान उनका निधन हो गया।

सत्य कुमार चक्रवर्ती ने उनकी पत्नी क्षिप्रा चक्रवर्ती को जीवित रहते ही नेत्र दान की इच्छा जताई थी। निधन के ढाई घंटे बाद उनकी बेटी नवनीता भट्टाचार्य ने बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज के आई बैंक नेत्र रोग विभाग के एचओडी डॉ. प्रवीण खरे से संपर्क किया। उन्होंने पिता के नेत्रदान करने की सूचना दी। जिसके बाद बीएमसी के आई बैंक की टीम को मकरोनिया स्थित निजी अस्पताल भेजा गया।

जहां टीम ने परिजनों की लिखित सहमति के बाद मृत सत्य कुमार चक्रवर्ती के दोनों आंखों के कॉर्निया को सुरक्षित निकालकर आई बैंक में रखवाया। नेत्र रोग विभाग आई बैंक के डॉक्टरों ने बताया कि नेत्रदान मरणोपरांत दान है, जो स्वैच्छिक है और विशुद्ध रूप से समाज हित के लिए है। नेत्रदान के लिए लोगों को आगे आना चाहिए। डॉक्टरों की टीम ने दिवंगत की पत्नी क्षिप्रा चक्रवर्ती, बेटे रविशंकर चक्रवर्ती, बेटी नवनीता भट्टाचार्य का आभार व्यक्त किया।

पन्ना...टाइगर रिजर्व के बीच 10 किमी लंबा जाम

छतरपुर, एजेंसी। नेशनल हाइवे 39 पर पन्ना-छतरपुर के बीच सड़क पन्ना टाइगर रिजर्व के बीच से होकर गुजरती है। पीटीआर की मड़ला घाटी में सड़क डबल लेन भी नहीं है। इतना ही सड़क के दोनों ओर शोल्डर भी नहीं भरे गए हैं। कई स्थानों में सड़क के दोनों ओर 1 फीट तक गहरी नाली है।

इस कारण घाटी में आए दिन जाम लगता है। शनिवार को सुबह घाटी में पांडव फॉल के पास एक ट्रक मोड़ में फंस गया। सुबह 9:30 बजे ट्रक फंसने से आवागमन रुक गया। इस कारण पूरी घांटी में भैरव मंदिर से झिन्ना बैरियर तक 10 किमी लंबी घाटी में जाम में फंसे वाहनों की कतार लग गई । बाद में पन्ना से यातायात पुलिस की टीमों ने मशक्कत करकेट्रक निकलवाया। इस कारण दोपहर 3 बजे यातायात बहाल हो सका। इस जाम में कई यात्री बसें भी फंसी रहीं।

मंदसौर में अवैध मादक पदार्थ जब्त, एक गिरफ्तार

बाइक सवार युवक से 3 लाख 60 हजार रुपए का अल्प्राजोलम और डोडाचुरा बरामद

मंदसौर, एजेंसी। मंदसौर जिले की पिपलियामंडी पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से भारी मात्रा में अल्प्राजोलम और डोडा चूरा बरामद किया गया है। आरोपी पिपलियामंडी थाना क्षेत्र के बाबुखेड़ा गांव का रहने वाला है।

मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई: पुलिस को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति बाइक पर नशे का सामान लेकर जा रहा है। इस पर पिपलियामंडी-मुन्देड़ी रोड स्थित इच्छा पूर्ण बालाजी मंदिर के सामने घेराबंदी कर उसे रोका गया। आरोपी की पहचान जाहिद पिता रशीद खान (40), निवासी ग्राम बाबुखेड़ा, थाना पिपलियामंडी के रूप में हुई।

3 लाख 60 हजार रुपए का सामान बरामद: तलाशी लेने पर जाहिद के पास से 77 ग्राम अल्प्राजोलम और 6 किलो 130 ग्राम डोडा चूरा मिला। जब्त किए गए मादक पदार्थों की अनुमानित कीमत करीब 3 लाख 60 हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने मौके पर ही आरोपी को हिरासत में ले लिया।

एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज: चौकी प्रभारी धर्मेश यादव ने बताया कि आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं 8/15, 22 और 29 के तहत केस दर्ज किया गया है। पूछताछ में जाहिद ने खुलासा किया कि उसने यह नशे का माल प्रहलाद पिता मोडसिंह राजपूत, निवासी ग्राम आक्या पालरा से लिया था। पुलिस अब फरार आरोपी प्रहलाद की तलाश में जुट गई है। मामले की जांच जारी है।

सीहोर में 5 दुकानों में चोरी, आरोपी गिरफ्तार

चुराए पैसों से इंदौर में घूमा और खाया-पिया; पुलिस ने बरामद किया सामान

सीहोर, एजेंसी। सीहोर जिले के भैरूंदा थाना क्षेत्र में एक ही रात में पांच दुकानों के ताले तोड़कर चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस ने 72 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से चोरी में इस्तेमाल की गई लोहे की रॉड और चुराया गया सामान बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी पूर्व में भी चोरी के मामलों में जेल जा चुका है। उसने चोरी की रकम इंदौर और आसपास के क्षेत्रों में घूमने, खाने-पीने और मौज-मस्ती में खर्च की।

नकदी, कपड़े, मोबाइल लेकर फरार: यह वारदात 28 और 29 सितंबर की दरम्यानी रात को अंजाम दी गई थी। 30 सितंबर को नागेंद्र यादव निवासी पुरानी एसबीआई बैंक के पास, भैरूंदा ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उनकी नीलकंठ रोड स्थित ऑनलाइन ग्राहक सेवा केंद्र की दुकान समेत इलाके की अन्य चार दुकानों में भी ताले तोड़कर चोरी की गई है।

इनमें रघुवीर पंवार की कपड़ों की दुकान, आकाश पंवार और रघुवीर यादव की मोबाइल दुकानों के साथ-साथ चंद्रशेखर का जनरल स्टोर शामिल था। चोर इन दुकानों से नकदी, कपड़े, मोबाइल एक्सेसरीज और अन्य सामान लेकर फरार हो गए थे।

विशेष टीमें बनाई, सीसीटीवी खंगाले: एसपी दीपक कुमार शुक्ला ने आरोपी की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए। एसडीओपी रोशन जैन के मार्गदर्शन में भैरूंदा थाना प्रभारी ने दो विशेष टीमों का गठन किया। पुलिस टीम ने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया और घटनास्थल व आसपास के सीसीटीवी फुटेज की गहन जांच की।

सीसीटीवी से हुई पहचान: जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज की मदद से पुलिस ने संदेही धर्मेंद्र उर्फ कृष्णा को चिह्नित किया। उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें उसने चोरी की वारदात को स्वीकार कर लिया। धर्मेंद्र ने बताया कि उसने पांच दुकानों से करीब 70 हजार रुपए नगद, कपड़े, मोबाइल एक्सेसरीज, पावर बैंक और इयरफोन चोरी किए थे।

चोरी की रकम से इंदौर में उड़ाया पैसा: आरोपी ने पूछताछ में यह भी बताया कि उसने चोरी की रकम इंदौर और आसपास के क्षेत्रों में घूमने, खाने-पीने और मौज-मस्ती में खर्च कर दी। फिलहाल पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी का सामान बरामद कर लिया है और मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

क्रिकेटर शिखर धवन ने महाकाल मंदिर में किए दर्शन

भस्म आरती में शामिल हुए

उज्जैन, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन ने रविवार सुबह विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में भगवान महाकाल के दर्शन किए। वह भस्म आरती में शामिल हुए और नंदी हॉल में बैठकर पूरी तरह भक्ति में लीन नजर आए। धवन ने कहा कि भगवान महाकाल के दरबार में आकर शक्ति का अनुभव होता है।

दर्शन-पूजन के बाद मीडिया से बात करते हुए शिखर धवन ने बताया कि वह दूसरी बार बाबा महाकाल के दरबार में आए हैं। उन्होंने कहा कि यहां आकर हर कोई बाबा की भक्ति में लीन हो जाता है और बहुत शक्ति मिलती है। भगवान महाकाल का आशीर्वाद हमेशा जरूरी है।

इस अवसर पर श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सहायक प्रशासक आशीष फलवाडिया ने शिखर धवन को भगवान महाकाल का दुपट्टा और प्रसाद भेंट कर सम्मानित किया।

फेसबुक पर दोस्ती, घर ले जाकर किया रेप

शादी का दिया झांसा; बात करना बंद की तो मारपीट कर जान से मारने धमकाया

रतलाम, एजेंसी। रतलाम में ब्यूटी पार्लर संचालित करने वाली महिला (31) के साथ रेप का मामला सामने आया है। उसकी पहले फेसबुक एक युवक से दोस्ती हुई। दोस्ती प्यार में बदल गई। शादी का बहाना कर युवक ने रेप किया। थाना औद्योगिक क्षेत्र ने केस दर्ज किया है।

महिला ने रिपोर्ट में बताया कि मैं मेरी 2009 में शादी हुई थी। शादी के 8 साल बाद पति से तलाक हो गया। 7 साल से रतलाम में रह रही हूं। साल 2022 में फेसबुक पर मेरी पहचान सनी राजपूत से हुई थी। हम एक-दूसरे से बात करने लगे। सनी मुलाकात के लिए पार्लर पर आने लगा। हमारी दोस्ती प्यार में बदल गई।

आरोप- 4 से 5 बार बनाए शारीरिक संबंध: महिला का आरोप है कि सनी ने कहा कि मैं तुझसे शादी करना चाहता हूं। 1 मई 2023 को सनी मेरे पार्लर पर आया। मुझे कहा कि तू मेरे घर पर चल। वह मुझे उसके घर एमबी नगर ले गया। उसके घर पर कोई नहीं था। उसने घर पर मेरे साथ मेरी मर्जी के बिना मेरे साथ खोटा काम (रेप) किया।

बाद में उसने नयागांव में किराए का कमरा लिया। वहां पर भी सनी ने मेरे साथ 4 से 5 बार शारीरिक संबंध बनाए। मैंने सनी से शादी करने का बोला तो वह हमेशा टालता रहा।

बोली- जान से मारने की दी धमकी: उसने बताया मार्च 2025 में सनी मुझे उसके कमरे पर ले जाने लगा तब मैने कहा कि तुम मुझसे शादी करोगे तो मैं तुम्हारे साथ चलूंगी। इस पर सनी कहने लगा कि अभी मेरी शादी करने की इच्छा नहीं है। उसने शादी करने से मना कर दिया। तब मैंने उसके साथ जाने से मना किया तो उसने जाम से मारने की धमकी दी।

उसने कहा कि तू मेरे साथ कमरे पर नहीं चलेगी तो तुझे जान से खत्म कर दूंगा। तब से मैंने सनी से बातचीत करना बंद कर दी। 1 सितंबर 2025 को सनी मेरे पार्लर पर आया। मुझे कहा कि बात क्यों नहीं कर रही है। इसी के साथ उसने मेरे साथ थप्पड़ों से मारपीट की। आरोपी राजस्थान में रहकर प्राइवेट कंपनी में जॉब करता है। पिता रतलाम में रहते है। जो रेलवे कर्मचारी है। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

238 गांवों में भावांतर योजना की चौपालें लगेंगी

बुरहानपुर, एजेंसी। बुरहानपुर जिले में सोयाबीन उत्पादक किसानों को भावांतर भुगतान योजना का लाभ दिलाने के लिए प्रशासन ने विशेष अभियान शुरू कर दिया है। कलेक्टर हर्ष सिंह के निर्देश पर कृषि विभाग द्वारा गांव-गांव में चौपालों का आयोजन किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक किसान इस योजना से जुड़ सकें और उनकी उपज का वाजिब दाम सुनिश्चित हो सके।

238 गांवों में लगेंगी चौपालें: इस अभियान के तहत जिले के 238 ग्रामों में 17 अक्टूबर तक चौपालों का आयोजन किया जाएगा। इनमें बुरहानपुर विकासखंड के 108 और खकनार विकासखंड के 130 गांव शामिल हैं। चौपालों में कृषि विभाग के साथ-साथ सहकारिता, राजस्व और ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

शनिवार को ग्राम लोनी, एमागिर्द, मचलपुरा, खातला, सुक्ता खुर्द, दर्यापुर, डोंगरगांव, गोलखेड़ा, डोईफोड़िया, मोरखेड़ा कला, सिरपुर, नावरा, परेठा, सारोला, खकनार कला, तुकईथड़, देड़तलाई और सीवल सहित कई गांवों में चौपालें आयोजित की गई। यहां किसानों को पंजीयन प्रक्रिया, मंडी में उपज बेचने और भावांतर योजना से होने वाले लाभ की जानकारी दी गई।

तकनीकी जानकारी भी दी जा रही: उप संचालक कृषि एम.एस. देवके ने बताया कि चौपालों के माध्यम से किसानों को सिर्फ भावांतर योजना ही नहीं, बल्कि खेती की आधुनिक तकनीकों से भी जोड़ा जा रहा है। किसानों को बताया गया कि कॉम्प्लेक्स उर्वरकों के उपयोग से यूरिया की खपत 30 प्रतिशत तक घटाई जा सकती है।

मैहर में 3500 मीटर लंबी चुनरी निकाली, नया रिकॉर्ड बना

गौरव दिवस पर 5 किमी पैदल चलकर माता को चुनरी चढ़ाई

मैहर, एजेंसी। मैहर जिले में 4 और 5 अक्टूबर को गौरव दिवस मनाया गया। इस अवसर पर 3500 मीटर लंबी चुनरी यात्रा निकालकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया गया। लगभग 6 हजार लोगों ने 5 किलोमीटर पैदल चलकर मां शारदा को यह चुनरी अर्पित की।

यह चुनरी यात्रा मैहर जिले की स्थापना के दो वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित की गई थी। हजारों श्रद्धालुओं ने एक साथ मिलकर इस यात्रा को सफल बनाया। यह नया रिकॉर्ड पिछले 2800 मीटर के रिकॉर्ड को तोड़ता है। इससे पहले, मैहर जिले ने अपनी पहली वर्षगांठ पर भी इतिहास रचा था। तब 11 हजार स्कूली छात्र-छात्राओं ने एक साथ राष्ट्रगान का गायन कर लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराया था। इस कार्यक्रम में मैहर की प्रभारी मंत्री राधा सिंह, विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी, कलेक्टर रानी बाटड और पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह सहित कई विभागीय अधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

चुनरी यात्रा त्रिकूट पर्वत पर स्थित मां शारदा मंदिर के गर्भ गृह तक पहुंची। श्रद्धालु गाजे-बाजे के साथ नाचते-गाते और माता के जयकारे लगाते हुए पहाड़ी रास्ते से मंदिर पहुंचे। यात्रा मार्ग पर जगह-जगह पुष्प वर्षा की गई थी, साथ ही खाने-पीने की व्यवस्था और मेडिकल टीमें भी तैनात की गई थीं।

राहुल तेवतिया का खुलासा, इन दो भारतीय खिलाड़ियों से सीखा बल्लेबाजी का हुनर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर राहुल तेवतिया ने बताया कि उनकी बल्लेबाजी पर युवराज सिंह और एमएस धोनी का गहरा प्रभाव रहा है। एक बाएं हाथ के बल्लेबाज के रूप में तेवतिया युवराज की स्टाइल और शॉट सिलेक्शन के प्रशंसक हैं, जबकि धोनी से उन्होंने डेथ ओवरों में शांत रहकर मैच खत्म करने की कला सीखी।

युवी और माही भाई मेरे रोल मॉडल हैं : तेवतिया ने कहा, मैं युवराज सिंह की बल्लेबाजी देखते हुए बड़ा हुआ हूं। जब मैंने घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में फिनिशर की भूमिका निभाना शुरू किया, तब माही भाई की बल्लेबाजी को ध्यान से देखने लगा। उन्होंने डेथ ओवरों में गेंदबाजों को कैसे निशाना बनाया, यह सीखकर मुझे काफी फायदा हुआ।

आईपीएल के फिनिशर के रूप में पहचान : तेवतिया ने 2020 में राजस्थान रॉयल्स के लिए पंजाब के खिलाफ मैच में एक ओवर में पांच छक्के जड़कर सनसनी मचा दी थी। इसके बाद गुजरात टाइटन्स के लिए 2022 में उन्होंने आखिरी दो गेंदों पर दो छक्के लगाकर टीम को जीत दिलाई। उस सीजन में टाइटन्स ने आईपीएल ट्रॉफी भी जीती, जिसमें तेवतिया की भूमिका अहम रही।

प्रक्रिया पर ध्यान, नतीजे पर नहीं : तेवतिया ने कहा कि क्रिकेट में स्थिर मानसिकता रखना जरूरी है, सफलता या असफलता दोनों में समान रहना चाहिए। अगर आप जल्दी आउट हो जाते हैं, तो बुरा लगता है, लेकिन असली फोकस प्रक्रिया और तैयारी पर होना चाहिए, न कि नतीजे पर।

घरेलू क्रिकेट में भरोसेमंद ऑलराउंडर : तेवतिया ने अब तक 14 प्रथम श्रेणी मैचों में 535 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 144 है। गेंदबाजी में उन्होंने 32 विकेट लिए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 7/98 रहा है। टी20 में उनके नाम 2107 रन और 69 विकेट हैं, जो उनके ऑलराउंड प्रदर्शन को दर्शाते हैं।

महाराजा अग्रसेन ट्रॉफी के लिए 50वां अखिल भारतीय अंडर-17 क्रिकेट टूर्नामेंट 20 अक्टूबर से

- श्रीलंका और नेपाल सहित 15 टीमों की भागीदारी, फाइनल 31 अक्टूबर को पंचकूला में होगा

पंचकूला, एजेंसी। हरियाणा स्पोर्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन (पंजीकृत) द्वारा आयोजित महाराजा अग्रसेन ट्रॉफी के लिए 50वां अखिल भारतीय अंडर-17 क्रिकेट टूर्नामेंट आगामी 20 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 तक पंचकूला, डेराबस्सी और चंडीगढ़ में खेला जाएगा। टूर्नामेंट के मैच टीडीएल क्रिकेट स्टेडियम पंचकूला, आईवीसीए क्रिकेट ग्राउंड डेराबस्सी, इंद्रजीत क्रिकेट ग्राउंड डेराबस्सी, और बाबा बालक नाथ क्रिकेट ग्राउंड कैंबवाला (यूटी चंडीगढ़) में खेले जाएंगे। फाइनल मुकाबला और पुरस्कार वितरण समारोह 31 अक्टूबर को टीडीएल क्रिकेट स्टेडियम, पंचकूला में आयोजित होगा।

इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में श्रीलंका, नेपाल, हैदराबाद, बिहार, महाराष्ट्र, बंगाल, विदर्भ, दिल्ली, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हिमाचल, चंडीगढ़ और हरियाणा सहित कुल 15 अंडर-17 लड़कों की टीमें भाग लेंगी।

हरियाणा स्पोर्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरिंदर गोयल और महासचिव अमरजीत कुमार ने बताया कि टूर्नामेंट का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और पिछड़े वर्गों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय टीमों के खिलाफ खेलने का मंच प्रदान करना है। एसोसिएशन वर्ष 2005 से जमीनी स्तर पर जूनियर पुरुष और महिला क्रिकेट खिलाड़ियों के विकास और खेल के प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर प्रयासरत है। टूर्नामेंट में सभी मैच 25-25 ओवर के, सफेद गेंद और रंगीन पोशाकों में खेले जाएंगे। बीसीसीआई से प्रमाणित अंपायर, स्कोरर और तकनीकी अधिकारी मैचों का संचालन करेंगे, वहीं क्रिकहीरो वेबसाइट पर लाइव ऑनलाइन स्कोरिंग की जाएगी।

सभी टीमों को दो पूलों में विभाजित किया जाएगा। प्रत्येक टीम को कम से कम चार लीग मैच खेलने का अवसर मिलेगा। दोनों पूलों की शीर्ष दो-दो टीमें सेमीफाइनल चरण में प्रवेश करेंगी। एसोसिएशन द्वारा सभी बाहरी टीमों, जिनमें अंतरराष्ट्रीय टीमें श्रीलंका और नेपाल भी शामिल हैं, के लिए रहने, भोजन और स्थानीय परिवहन की व्यवस्था की जाएगी। टूर्नामेंट में हर मैच के लिए मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड, जबकि विजेता और उपविजेता टीमों को आकर्षक ट्रॉफी दी जाएगी। इसके अलावा सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज, सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक, सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर और सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर को भी सम्मानित किया जाएगा। विजेताओं को ट्रॉफियों के साथ क्रिकेट उपकरणों के पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे।

अक्षय भाटिया कट से बाहर, हिग्गो-मोंटगोमरी की टक्कर जारी

जैक्सन (अमेरिका), एजेंसी। भारत के अक्षय भाटिया सैंडरसन फार्म्स चैम्पियनशिप के दूसरे दौर में कट से बाहर हो गए। पहले दौर में उन्होंने ईवन पार 72 का स्कोर बनाया, जबकि दूसरे दौर में 1-ओवर 73 खेलते हुए उनका कुल स्कोर 1-ओवर 145 रहा। कट का स्कोर 4-अंडर था, जिससे भाटिया पांच शॉट पीछे रह गए। भाटिया ने 10वें होल से शुरुआत की और 14वें व 16वें पर बोगी की, लेकिन तीसरे और पांचवें पर बर्डी से वापसी की। हालांकि, 17वें होल (आठवें) पर बोगी कर बाहर हो गए। अब भाटिया आगामी टूर्नामेंटों में बेहतर प्रदर्शन का लक्ष्य रखेंगे। दूसरे दौर के बाद दक्षिण अफ्रीका के गैरिक हिग्गो 13-अंडर (65-66) के साथ लीडरबोर्ड पर शीर्ष पर हैं। उन्होंने बैक-नाइन में चार बर्डी लगाकर बढ़त बनाई। हिग्गो हाल ही में हिप सर्जरी से लौटे हैं। एरिक कोल और टेलर मोंटगोमरी 12-अंडर पर संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। कोल ने दूसरे दौर में 67 का स्कोर किया जबकि मोंटगोमरी ने शानदार 9-अंडर खेला। डैनी वॉकर 11-अंडर पर चौथे स्थान पर हैं। गौर है कि केवल शीर्ष 100 खिलाड़ी ही नवंबर में खत्म होने वाले फेडएक्सकप फॉल के बाद पीजीए टूर कार्ड सुरक्षित रख पाएंगे। शेड्यूल में अब केवल पांच टूर्नामेंट बचे हैं।

ऑस्ट्रेलिया टूर के लिए टीम का ऐलान

रोहित से वनडे की कप्तानी छीनी, कप्तानी अब गिल के हाथों में; श्रेयस उपकप्तान, रोहित-विराट खेलेंगे बतौर खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सीमित ओवरों की सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। शुभमन गिल को वनडे टीम की कमान सौंपी गई है। रोहित शर्मा-विराट कोहली वनडे टीम में बतौर खिलाड़ी शामिल किए गए हैं। सूर्यकुमार यादव टी20 टीम का जिम्मा संभालेंगे। भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 19-25 अक्टूबर के बीच तीन वनडे मुकाबलों की सीरीज खेलनी है, जबकि 29 अक्टूबर से 8 अक्टूबर के बीच दोनों देश पांच टी20 मुकाबलों की सीरीज खेलेंगे। इस दौरे के लिए वनडे फॉर्मेट में शुभमन गिल की कप्तानी में रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज खिलाड़ी खेलते नजर आने वाले हैं, जबकि श्रेयस अय्यर को उपकप्तान नियुक्त किया गया है। केएल राहुल के साथ ध्रुव जुरेल विकेटकीपिंग का जिम्मा संभालेंगे। कुलदीप यादव, नितीश रेड्डी भी इस टीम में जगह बनाने में सफल रहे हैं। बुमराह को वनडे सीरीज में शामिल नहीं किया गया है। दूसरी ओर, टी20 टीम की कमान सूर्यकुमार यादव के हाथों में है, जिनकी कप्तानी में भारत ने एशिया कप 2025 का खिताब अपने नाम किया है। शुभमन गिल टीम के उपकप्तान हैं। इस टीम में संजू सैमसन के साथ जितेश शर्मा को बतौर विकेटकीपर शामिल किया गया है। हर्षित राणा और रिंकू सिंह को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में जगह मिली है। इस टीम में जसप्रीत बुमराह जैसे अनुभवी तेज गेंदबाज भी हैं। एशिया कप में अपनी स्पिन से जलवा बिखेरने वाले चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव एक बार फिर टी20 टीम में जगह बनाने में सफल रहे हैं। भारत की वनडे टीम- शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल। भारत की टी20 टीम- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 - प्रवीण ने कूल्हे की चोट के बावजूद ऊंची कूद में जीता कांस्य पदक

नई दिल्ली, एजेंसी। शनिवार शाम जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में सबकी नजरें प्रवीण कुमार पर टिकी थीं। प्रवीण, जिन्होंने पहले भी कई बार देश को गौरवान्वित किया है, ने शनिवार को यहां अंतिम दिन शानदार प्रदर्शन किया। पुरुषों की ऊंची कूद टी64 में उनका रन-अप सबसे छोटा था। दौड़ने से पहले, उन्होंने उत्साही दर्शकों को शांत होने का इशारा किया ताकि वे बेहतर ध्यान केंद्रित कर सकें। वे हर तरह से एक मिशन पर थे। उन्होंने पूरे आयोजन में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। लेकिन उज्बेकिस्तान के तेमुरबेक गियाजोव ने 2.03 सेकंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। ग्रेट ब्रिटेन के जोनाथन ब्रूम-एडवर्ड्स ने 2.00 सेकंड के साथ रजत पदक जीता। काउंटबैक में कांस्य पदक जीतने के बाद प्रवीण निराश दिखे और उन्होंने अपनी निराशा व्यक्त की, और उम्मीदों पर खरा न उतर पाने का कारण भी बताया। उन्होंने कहा, मुझे कांस्य पदक तो मिल गया, लेकिन मैं अगली बार स्वर्ण पदक जीतने की कोशिश करूंगा। मेरे कूल्हे में चोट थी। मेरे कूल्हे के बीच में दर्द था। और इसी वजह से मैं अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहा था।

महिला क्लब थ्रो एफ51 में एकता भयान के रजत पदक ने स्थानीय समर्थकों का उत्साह

बढ़ा दिया। उन्होंने 19.80 सेकंड के साथ सीजन का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

एकता अपने परिणाम से संतुष्ट दिखीं। उन्होंने कहा, हां, एशियाई खेलों में मेरा प्रदर्शन 21 मीटर से ज्यादा था। मैंने विश्व चैंपियनशिप [कोबे 2024] में स्वर्ण पदक जीता, लेकिन हां, मेरा प्रदर्शन ठीक-ठाक है और मैं इससे खुश हूं। अब सबका ध्यान रविवार को होने वाली 200 मीटर टी12 स्पर्धा के लिए सिमरन और पेरिस पैरालंपिक एफ41 भाला फेंक स्वर्ण विजेता नवदीप सिंह पर है। शनिवार को 100 मीटर में स्वर्ण पदक जीतने वाली सिमरन ने अपनी हीट में सभी प्रतियोगियों को पछाड़कर पहला स्थान हासिल किया और सेमीफाइनल में पहुंच गई।

उन्होंने अपने गाइड उमर सैफी के साथ मिलकर इस सीजन का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (25.03 सेकंड) दर्ज किया। सिमरन के पति और कोच गजेंद्र सिंह ने कहा, हम बेहद प्रेरित हैं, लेकिन अब हम अपने स्वर्ण पदक [100 मीटर] के बारे में नहीं सोच रहे हैं। हमारा पूरा ध्यान अगले इवेंट पर है। हम किसी भी चीज के बारे में निश्चित नहीं हैं। यह एक विश्व चैंपियनशिप है। हमें बस फिट रहना है। हमें खुद को हाइड्रेट रखना है और कल की गर्मी और फाइनल के लिए तैयार रहना है।

शनिवार को भारत के लिए एक और पदक, सोमन राणा ने पुरुषों की शॉटपुट एफ57 स्पर्धा में रजत पदक जीता (शुरुआत में इसे कांस्य पदक दिया गया था, लेकिन थियागो पॉलिनो डॉस सैंटोस के 14.82 सेकंड के थ्रो के विरोध के बाद इसे रजत पदक में बदल दिया गया)। राणा के रजत पदक के साथ, भारत ने कोबे के कुल 17 पदकों को पीछे छोड़ दिया। नई दिल्ली में भारत का प्रदर्शन अब तक का सर्वश्रेष्ठ है।

भारत बनाम वेस्टइंडीज

प्लेयर ऑफ द मैच जडेजा ने रचा इतिहास, टेस्ट क्रिकेट में बना बड़ा रिकॉर्ड

अहमदाबाद, एजेंसी। भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए पहले टेस्ट मैच को पारी और 140 रन से अपने नाम कर लिया है। इस मुकाबले के नायक रवींद्र जडेजा को बल्ले और गेंद से शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। यह 10वां मौका था, जब जडेजा को इस खिताब से नवाजा गया, जिसके साथ उन्होंने इतिहास रच दिया है। ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा भारत में टेस्ट मैचों के दौरान सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार जीतने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। जडेजा को 10वीं बार इस खिताब से नवाजा गया है। इस मामले में उन्होंने दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने भारत में 9 बार टेस्ट मुकाबलों में प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार अपने नाम किया। कुंबले के बाद इस लिस्ट में विराट कोहली (8), सचिन तेंदुलकर (8) और रविचंद्रन अश्विन (7) का नाम शामिल है। वहीं, दूसरी ओर टेस्ट फॉर्मेट में सर्वाधिक प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार जीतने वालों में जडेजा, राहुल द्रविड़ के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। दोनों ही खिलाड़ियों ने 11-11 बार टेस्ट क्रिकेट में यह पुरस्कार अपने नाम किए हैं। इस लिस्ट में सचिन तेंदुलकर शीर्ष पर हैं, जिन्होंने 200 टेस्ट मुकाबलों में 14 बार प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार अपने नाम किया। रवींद्र जडेजा ने वेस्टइंडीज के विरुद्ध पहली पारी में 3 ओवर गेंदबाजी की, लेकिन 15 रन देकर कोई सफलता हासिल नहीं कर सके। इसके बाद जडेजा ने बल्ला थामते हुए 176 गेंदों में 5 छक्कों और 6 चौकों के साथ नाबाद 104 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने ध्रुव जुरेल के साथ 206 रन की साझेदारी भी की।

भारत की जीत पर खुशी जताते हुए रवींद्र जडेजा ने कहा, मैं अपनी बल्लेबाजी पर कड़ी मेहनत कर रहा हूं। हमें दो महीनों का ब्रेक मिला था। इस दौरान कोई टेस्ट क्रिकेट या वनडे मैच नहीं था। मैं अपनी फिटनेस पर काम कर रहा था। मैं बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस गया, वहां अपनी स्किल और फिटनेस पर काम किया। कुछ साल पहले मैं आठवें और नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करता था, लेकिन अब मुझे छठे नंबर पर जगह मिल गई है। उन्होंने कहा, मुझे हमेशा लाल मिट्टी की पिचों पर खेलना पसंद है। यह मजेदार होता है, क्योंकि एक स्पिनर के रूप में आपको ज्यादा टर्न और उछाल मिलता है। बतौर स्पिनर, आप हमेशा यही चाहते हैं। मुझे लगता है कि मैं इसका लुत्फ उठा रहा था।

मिशेल मार्श ने की बाबर आजम की बराबरी, हासिल की अनूठी उपलब्धि

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया टी20 फॉर्मेट के कप्तान मिशेल मार्श ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शनिवार को खेले गए टी20 मुकाबले में शानदार शतक लगाते हुए न सिर्फ अपनी टीम को जीत दिलाई बल्कि बतौर कप्तान एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। मार्श से पहले बतौर कप्तान यह उपलब्धि सिर्फ बाबर आजम ने हासिल की थी। न्यूजीलैंड के 157 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 18 ओवर में 7 विकेट पर 160 रन बनाकर मैच 3 विकेट से जीता। इस जीत में कप्तान मिशेल मार्श की यादगार बल्लेबाजी की अहम भूमिका रही। मार्श ने 52 गेंद पर 7 छक्के और 8 चौके लगाते हुए नाबाद 103 रन की पारी खेली। उन्हें इस यादगार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब दिया गया। मार्श ने अपने पहले टी20 शतक के साथ एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की। मिशेल मार्श आईसीसी के पूर्ण सदस्य देशों के ऐसे दूसरे कप्तान बन गए हैं, जिन्होंने लक्ष्य का पीछा करते हुए शतक लगाया। मार्श से पहले सिर्फ बाबर आजम के नाम ही ये उपलब्धि रही है। बाबर आजम ने एक नहीं बल्कि दो बार बतौर कप्तान लक्ष्य का पीछा करते हुए टी20 में शतक लगाए हैं। बाबर ने 2021 में सेंचुरियन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 122 और 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ कराची में 110 रन की पारी खेली थी।

मार्श ने अपने पहले टी20 शतक के साथ ऑस्ट्रेलिया के लिए कई बड़े रिकॉर्ड भी अपने नाम किए हैं। वह टी20 में बतौर कप्तान शतक लगाने वाले ऑस्ट्रेलिया के तीसरे खिलाड़ी हैं। उनसे पहले 2018 में आरोन फिंच ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 172 और 2016 में शेन वॉटसन ने भारत के खिलाफ सिडनी में 124 रन की पारी खेली थी। मार्श ने अपनी पारी में 7 छक्के लगाए। इस दौरान टी20 फॉर्मेट में उनके 100 छक्के पूरे हो गए। टी20 में 100 या उससे अधिक छक्के लगाने वाले वह ऑस्ट्रेलिया के चौथे बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले ग्लेन मैक्सवेल, आरोन फिंच और डेविड वॉर्नर ये उपलब्धि हासिल कर चुके हैं।

कियारा रोड्रिग्ज ने रचा इतिहास, चौथी बार जीता लंबी कूद का स्वर्ण पदक

नयी दिल्ली, एजेंसी। इक्वाडोर की कियारा रोड्रिग्ज ने इंडियनऑयल नयी दिल्ली पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप 2025 में लगातार चौथी बार महिलाओं की लंबी कूद टी-47 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। कियारा ने 6.29 मीटर की छलांग लगाई, जबकि हंगरी की पेट्रा लुटेरन (5.98 मीटर) ने रजत और डेनमार्क की ब्योर्कर नोएरेमाकर (5.84 मीटर) ने कांस्य पदक हासिल किया।

भारत की निमिषा सुरेश चक्कुंगलपरम्बिल ने 5.74 मीटर की छलांग के साथ एशियाई रिकॉर्ड बनाया, लेकिन बेहतर प्रदर्शन न कर पाने के कारण पोडियम से चूक गईं और चौथे स्थान पर रहीं।

कियारा इससे पहले 100 मीटर टी-47 में भी स्वर्ण जीत चुकी हैं और तिहरा पदक हासिल करने की कोशिश में हैं। इस बीच, अमेरिका के माइकल ब्रैनिगन ने पुरुषों की 1500 मीटर टी-20 और ईरान के अली बाजियारशूरिजेह ने पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीते।

पदक तालिका में ब्राज़ील (12 स्वर्ण) शीर्ष पर कायम है, जबकि चीन 40 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर और भारत (6 स्वर्ण, 5 रजत, 4 कांस्य) चौथे स्थान पर है।

मार्श का पहला टी20 शतक, ऑस्ट्रेलिया ने चैपल-हेडली श्रृंखला 2-0 से जीती

माउंट मोनगानुई (न्यूजीलैंड)। मिचेल मार्श के नाबाद 103 रन की दमदार पारी की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को न्यूजीलैंड को तीन विकेट से हराकर चैपल-हेडली टी20 श्रृंखला 2-0 से अपने नाम कर ली। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मार्श ने 52 गेंद में आठ चौके और सात छक्कों की मदद से अपना पहला टी20 शतक पूरा किया। उनके अलावा केवल दो अन्य बल्लेबाज ही दोहरे अंक तक पहुंच सके। ऑस्ट्रेलिया ने दो ओवर रहते ही 7 विकेट पर 160 रन बनाकर न्यूजीलैंड के 9 विकेट पर 156 रन के स्कोर को पार कर लिया। न्यूजीलैंड की टीम ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाजी के सामने संघर्ष करती नजर आई और टॉस 15 मिनट देर से होने के कारण भी उनके बल्लेबाज साझेदारियां बनाने में नाकाम रहे। टिम सिफर्ट ने 35 गेंद में 48 रन बनाकर टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जबकि कप्तान माइकल ब्रेसवेल ने 26 और जिम्मी नीशाम ने 25 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए जोश हेज़लवुड ने 26 रन देकर 2 विकेट लिए, जेवियर बार्टलेट ने 25 रन देकर 2 विकेट झटके, और सीन एबॉट ने 25 रन देकर 3 विकेट चटकाए। ऑस्ट्रेलियाई पारी की शुरुआत में ही 62 रन छह ओवर में बन गए थे। मिचेल मार्श ने ईश सोढ़ी पर लगातार छक्कों की मदद से केवल 21 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। न्यूजीलैंड ने मध्य ओवरों में नीशाम की गेंदबाजी के दम पर चार विकेट लिए, लेकिन मार्श ने टीम को मजबूत हाथों से जीत तक पहुंचाया।

वेस्टइंडीज पर परफेक्ट जीत के बाद कप्तान गिल ने टीम के प्रदर्शन की सराहना की

अहमदाबाद, एजेंसी। भारत के कप्तान शुभमन गिल ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ एक पारी और 140 रनों से मिली अपनी पहली घरेलू टेस्ट मैच जीत को परफेक्ट बताया, जिसकी उन्हें हमेशा चाहत थी। केएल राहुल, ध्रुव जुरेल और रवींद्र जडेजा के शतकों के साथ-साथ बढ़िया फिल्डिंग और शानदार गेंदबाजी की बदौलत भारत ने तीन दिन के अंदर बड़ी जीत हासिल की और दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह में गिल ने कहा, लगातार छह टॉस हार गए हैं, लेकिन जब तक हम मैच जीतते रहेंगे, तब तक यह हमारे लिए मायने नहीं रखता। यह हमारे लिए एक बेहतरीन मैच था, इसलिए मैं जीत से बहुत खुश हूं। ईमानदारी से कहूं तो, मुझे लगता है कि यह हमारे लिए एक बेहतरीन मैच था। मैच

में तीन शतक बने और हमने दोनों पारियों में बहुत अच्छा क्षेत्ररक्षण किया। हमें इस मैच को लेकर कोई शिकायत नहीं है।

गिल और बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल भले ही बड़ा स्कोर नहीं बना पाए, लेकिन उन्होंने मैच जिताने में दूसरों के योगदान को सराहा। गिल ने कहा, निश्चित रूप से, जब भी आपको अच्छी शुरुआत मिलती है, तो मुझे लगता है कि यह बल्लेबाजी के लिए बहुत अच्छा विकेट था। हमें दोनों (जायसवाल और मुझे) अच्छी शुरुआत मिली, लेकिन हम उसे बड़ी पारी में नहीं बदल पाए। कई अन्य बल्लेबाजों ने इसे बड़ी पारी में बदला, इसलिए मैं उनके लिए खुश हूं। उन्होंने कहा, जब आपके पास उनके जैसे बेहतरीन स्पिनर होते हैं, तो गेंदबाजी में बदलाव करना मुश्किल होता है। लेकिन ज्यादा विकल्प होना कम विकल्प होने से बेहतर होता है। यह हमेशा चुनौती होती है, और यही भारत में खेलने का मज़ा है। हमेशा कोई न कोई खिलाड़ी टीम के लिए काम करने को तैयार रहता है। पूरी टीम और युवा खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया।

टेस्ट मैचों में अपनी अब तक की कप्तानी के बारे में बात करते हुए गिल ने कहा, बहुत सी बातें हैं ङ्क जो मैंने सीखा है, उनमें से कुछ चुनना मुश्किल है। लेकिन मुझे लगता है कि पिछले दो सालों में हमने एक टीम के रूप में कैसे जुड़ाव बनाया और खुद को मुश्किल हालात से कैसे बाहर निकाला, यह देखना मेरे लिए बहुत अच्छा था। हम अभी भी टीम के तौर पर लगातार सीख रहे हैं और मुझे लगता है कि जब तक हम अपने अनुभवों से सीखते रहेंगे, तब तक हम मैच में अच्छा प्रदर्शन करते रहेंगे।

क्षेत्रीय परिवहन विभाग रीवा पर कब लगेगी मोहन सरकार की लगाम?

अभी तक होती थी छीना झपटी के साथ वसूली, अब सीधे हो रही डकैती

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रदेश में लगातार गहराते यूरिया खाद संकट, रीवा एवं भिंड जिलों में किसानों पर हुए लाठीचार्ज और रीवा जिले के बीड़ा सेमरिया धान खरीदी केंद्र में वर्ष 2024-25 के दौरान खरीदे गए 1.28 करोड़ रुपये के भुगतान लंबित रहने को लेकर अब भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) ने ऐलान किया है कि संगठन आंदोलन की राह पर जाएगा। यूनियन के प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि किसान लगातार अपनी समस्याओं को लेकर जिला प्रशासन से गुहार लगा रहे हैं, लेकिन अब तक किसी भी स्तर पर ठोस कार्यवाही नहीं की गई। यदि 25 सितंबर 2025 तक भुगतान एवं दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई सुनिश्चित नहीं हुई, तो यूनियन के पदाधिकारी और पीड़ित किसान विवश होकर हाथ-पैर में बेड़ियां पहनकर और लोटा-सरौता लेकर रीवा से भोपाल मुख्यमंत्री निवास तक पदयात्रा करेंगे। किसानों का कहना है कि खाद संकट के कारण उनकी फसलें प्रभावित हो रही हैं, और वे इस समस्या के समाधान की मांग कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री के आगमन पर यह प्रदर्शन यह दर्शाएगा कि किसान सरकार की नीतियों से कितने असंतुष्ट हैं।

क्षेत्रीय परिवहन विभाग की अनियमितताएँ: रीवा जिले के क्षेत्रीय परिवहन विभाग में भी अनियमितताएँ बढ़ती जा रही हैं। यहां पर परिवहन विभाग के अधिकारियों द्वारा किसानों से अवैध वसूली की जा रही है। पहले तो पैसे के लिए छीना झपटी होती थी, अब सीधे डकैती की स्थिति निर्मित हो चुकी है। किसान ने बताया कि जब उन्होंने ज्वाइनिंग रिक्वेस्ट के साथ विद्यालय जाकर नियुक्ति के संबंध में चर्चा की, तो सहायक ग्रेड-3 प्रदीप सिंह ने उन्हें डांटकर भगा दिया।

उड़न दस्ते की अनियमितताएँ: रीवा में एक उड़न दस्ता अधिकृत है, लेकिन वर्तमान में सरकार की कृपा से छह उड़न दस्ते संचालित हो रहे हैं। इन दस्तों के प्रभारी सुमन दीक्षित हैं। पहले केवल चेक पोस्ट में ही एंट्री ली जा रही थी, अब चारों ओर एंट्री लेने वाले परिवहन विभाग के गुर्गे फैल गए हैं। किसान और चालक दोनों परेशान हैं। यदि स्थानीय गाड़ियों द्वारा इसका विरोध किया जाता है, तो उन्हें जबरदस्ती का ऑनलाइन चालान किया जा रहा है। चालान की रकम हजार, दो हजार नहीं, बल्कि 10,500 के ऊपर होती है।

किसानों का आक्रोश: रीवा ट्रक ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष ने कहा कि एक ओर सरकार द्वारा जहां मोटर मालिकों को राहत दिए जाने की बात कही जाती है, वहीं दूसरी ओर यहां पर खुलेआम लूट का दौर चल रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि अब इसका खुलकर विरोध किया जाएगा। किसान नेताओं ने कहा है कि यदि प्रशासन ने इस मामले में उचित कार्रवाई नहीं की, तो वे आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे।

हिमालय डांस ग्रुप के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भव्य कार्यक्रम सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। हिमालय डांस ग्रुप के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी अविराज थे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में हिन्दू धर्म परिषद के अध्यक्ष उमेश कुशवाहा और सुमित मांजवानी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का आयोजन डांस ग्रुप के संचालक जावेद खान और संगीता पटेल के मार्गदर्शन में किया गया। मुख्य अतिथि अविराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि ऐसे मंच युवाओं की प्रतिभा को दिशा देने का कार्य करते हैं। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि नशे से दूर रहकर ही वे अपने जीवन और समाज को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं।

इस अवसर पर ग्रुप के कलाकारों ने नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से समाज में सकारात्मक संदेश देने का प्रयास किया। विशेष रूप से नशा मुक्ति पर आधारित प्रस्तुति ने सभी का ध्यान आकर्षित किया।

कार्यक्रम के अंत में ग्रुप के संचालक और सदस्यों ने समाजसेवा और सांस्कृतिक जागरूकता के लिए निरंतर कार्य करते रहने का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से मुन्नू तिवारी, हिमांशु श्रीवास्तव, स्पर्श दुबे, जफर खान, किशन खटीक, बादल भाई, अजय सोधिया, सूरज सहित सैकड़ों की संख्या में युवा और आमजन उपस्थित रहे।

भूमि आवंटन के संबंध में आपत्ति आज तक आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगर निगम रीवा द्वारा सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण के लिए भूमि आवंटन के संबंध में आवेदन दिया गया है। इसके लिए ग्राम रीवा पटवारी हल्का रीवा की शासकीय आराजी नम्बर 109 रकवा 0.9300 हेक्टेयर तथा आराजी नम्बर 1010 रकवा 0.2590 हेक्टेयर का आवंटन किया जाना है। इसी प्रकार प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के लिए ग्राम अनंतपुर पटवारी हल्का अनंतपुर की शासकीय आराजी नम्बर 971/1 रकवा 5.5930 हेक्टेयर में से रकवा 2.0595 का आवंटन किया जाना है।

इसके साथ ही महाप्रबंधक मध्यप्रदेश जल निगम मर्यादित परियोजना कार्यान्वयन इकाई रीवा द्वारा कार्यालयीन भवन निर्माण के लिए भी भूमि आवंटन के संबंध में आवेदन दिया गया है। कार्यालयीन भवन के निर्माण के लिए ग्राम रीवा पटवारी हल्का रीवा की शासकीय आराजी नम्बर 716 रकवा 26.2830 हेक्टेयर में से रकवा 0.25 हेक्टेयर का आवंटन किया जाना है। इस संबंध में तहसीलदार हुजूर नगर शिवशंकर शुक्ला ने बताया है कि इन भूमियों के आवंटन में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह आज 6 अक्टूबर तक हुजूर नगर न्यायालय में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि तक आपत्तियाँ प्राप्त न होने पर इन भूमियों के आवंटन संबंधी कार्यवाही की जाएगी।

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय सितालहा में अतिथि शिक्षक की नियुक्ति पर सगे संबंधियों को प्राचार्य द्वारा दी गई प्राथमिकता

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के जवा तहसील अंतर्गत शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सितालहा में अतिथि शिक्षक की नियुक्ति में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। यहां एक युवक की अतिथि शिक्षक में नियुक्ति इसलिए नहीं की गई क्योंकि वह बाहरी था और उसके सगे संबंधी विद्यालय में नहीं पढ़ाते थे।

युवक, दीपक पाण्डेय, पिता लालता प्रसाद पाण्डेय, ग्राम खाझा का निवासी है। उन्हें 23 जुलाई 2025 को च्वाइस फिलिंग के माध्यम से शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सितालहा में हिंदी विषय के लिए एलाट किया गया था। जब उन्होंने ज्वाइनिंग रिक्वेस्ट के साथ विद्यालय जाकर नियुक्ति के संबंध में चर्चा की, तो सहायक ग्रेड-3 प्रदीप सिंह ने उन्हें डांटकर भगा दिया। दीपक ने प्राचार्य से मिलने की कोशिश की, लेकिन प्राचार्य ने कहा कि वे व्यस्त हैं और अगले दिन ज्वाइनिंग करवा लेंगे। अगले दिन भी जब दीपक प्राचार्य से मिले, तो उन्होंने कहा कि जिला शिक्षा अधिकारी से राय लेकर नियुक्ति करेंगे।

जब दीपक 26 जुलाई 2025 को फिर से विद्यालय गए, तो प्राचार्य ने कहा कि छात्र संख्या कम है, इसलिए ज्वाइनिंग नहीं हो सकती। कुछ दिन बाद, विद्यालय के बाबू प्रदीप सिंह की पत्नी की नियुक्ति कर दी गई, जबकि दीपक का स्कोर कार्ड 206.57 था और बाबू की पत्नी का स्कोर कार्ड 176 था। इस मामले में प्राचार्य की कार्यशैली पर प्रश्न उठता है, क्योंकि उन्होंने पहले भी अपने सगे संबंधियों को अतिथि शिक्षक में नियुक्त किया है। दीपक ने इस मामले की शिकायत रीवा आयुक्त से की है और जिला कलेक्टर तथा आयुक्त रीवा से उचित कार्यवाही की मांग की है।

अमहिया पुलिस की कार्यवाही, अड़ीबाज़ी कर मारपीट करने वाले 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। थाना अमहिया में फरियादी दीपक गुप्ता ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह गुड्डी तिवारी के किराए के कमरे में रहता था। जब वह कमरा खाली कर रहा था, तब गुड्डी तिवारी के बेटे करण और मोनू ने उससे 1000 रुपये मांगे। पैसे देने से मना करने पर तीनों ने दीपक को गालियाँ दीं और मारपीट की।

दीपक के पिता और भाई ने बीच-बचाव किया, लेकिन आरोपियों ने उन पर भी हमला किया। इस पर थाना अमहिया में मामला पंजीबद्ध किया गया। पुलिस ने आरोपियों में कमल तिवारी उर्फ मोनू और करण तिवारी को गिरफ्तार किया और उन्हें न्यायालय में पेश किया।

महिला का शव घर के आंगन में मिला, लोहे के तार में फंसी थी; करंट लगने की आशंका

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। थाना क्षेत्र के छिपिया गांव में एक 55 साल की महिला का शव उसके घर के आंगन में मिला है। पुलिस को आशंका है कि महिला की मौत करंट लगने से हुई है। जानकारी के अनुसार, मृतका मंजू कुशवाहा पत्नी स्व. सर्यदीन कुशवाहा छिपिया गांव की निवासी थीं। मंजू घर पर अकेली रहती थीं। गांव के लोगों ने उन्हें 4 अक्टूबर की शाम करीब 5 बजे तक घर के बाहर देखा था। देर रात तक जब वह बाहर नहीं दिखीं और घर का दरवाजा खुला मिला, तो ग्रामीणों को शक हुआ।

रात करीब 10 बजे ग्रामीणों ने घर में झांका तो मंजू कुशवाहा का शव आंगन में कपड़े सुखाने के लिए लगाए गए लोहे के तार में फंसा मिला। ग्रामीणों ने तत्काल घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। परिवार का कोई सदस्य मौके पर मौजूद नहीं होने के चलते शव को रातभर सुरक्षित रखा गया।

रविवार सुबह शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। प्राथमिक जांच में पुलिस ने संभावना जताई है कि कपड़े सुखाने वाला लोहे का तार पास में लगे बल्ब होल्डर के संपर्क में आ गया होगा, जिससे करंट फैला और महिला की मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध नशीले कैप्सूल के साथ 2 आरोपियों को पकड़ा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मनगवां पुलिस ने अवैध नशीले कैप्सूल के साथ 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके खिलाफ स्वापक औषधि और मन.प्रभावी पदार्थ अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। थाना प्रभारी निरीक्षक गजेन्द्र सिंह धाकड़ और उनके पुलिस स्टाफ ने यह कार्रवाई की। मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति ग्राम आंबी ओवर ब्रिज के पास अपनी मोटर साइकिल में भारी मात्रा में अवैध नशीली टैबलेट/कैप्सूल लेकर खड़ा है और ग्राहक तलाश रहा है।

सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई की और मुखबिर द्वारा बताए गए स्थान पर पहुंचकर देखा कि आरोपी अपनी मोटरसाइकिल के पास ग्राहक का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान एक अन्य व्यक्ति मनगवां बाजार की तरफ से आया और खड़े व्यक्ति से बोरी ले ली।

पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों व्यक्तियों को काले रंग की बोरी के साथ पकड़ लिया। बोरी की तलाशी लेने पर भारी मात्रा में अवैध नशीले कैप्सूल बरामद हुए। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ थाना मनगवां में अप.क्र. 514/2025 धारा 8, 21, 22 एनडीपीएस एक्ट और 5/13 औ. निय. अधि. के तहत कार्रवाई की गई। गिरफ्तार आरोपियों को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है, और अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान हो रहा है संचालित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। गांधी जयंती 2 अक्टूबर से 9 अक्टूबर तक प्रदेश के सभी जिलों में दुग्ध समृद्धि सम्पर्क अभियान संचालित हो रहा है। प्रदेश में दुग्धोत्पादन के लक्ष्य को दोगुना करने हेतु शासन द्वारा इस महत्वाकांक्षी अभियान को तीन चरण में कियान्वित किया जा रहा है। इस अभियान अन्तर्गत पशुपालन विभाग के अमले एवं मैत्री कार्यकर्ताओं द्वारा पशुपालक को गृह भेंट देकर पशु पोषण, पशु स्वास्थ्य एवं पशु प्रजनन (नस्ल सुधार) हेतु जागरूक किया जा रहा है।

अभियान अंतर्गत 10 एवं 10 से अधिक गाय/भैंस वंश के पशु पालक के मध्य गृह भेंट प्रदान की जावेगी। अभियान में जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये गये हैं। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने जिले में दुग्ध समृद्धि सम्पर्क अभियान अन्तर्गत पर्यवेक्षण करने के लिये एस.डी.एम. तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत को अपने कार्यक्षेत्र के प्रत्येक विकासखंड के न्यूनतम चार ग्रामों का भ्रमण के निर्देश दिये हैं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा भी न्यूनतम तीन ग्रामों का भ्रमण किया जाकर पर्यवेक्षण किया जायेगा।

सालों पुराने बूढ़ी माता मंदिर में प्रतिमाएं तोड़कर फेकीं, भगवान गणेश, हनुमान और नंदी प्रतिमा खंडित; पांचवा मामला

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के मनगवां थाना क्षेत्र स्थित सैकड़ों वर्ष पुराने मुदुलियान बूढ़ी माता मंदिर में अज्ञात असामाजिक तत्वों ने धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाते हुए माता, नंदी, हनुमान, गणेश समेत कई मूर्तियों को खंडित कर दिया। रविवार सुबह जब ग्रामीण मंदिर पहुंचे तो उन्हें मूर्तियां टूटी और बिखरी अवस्था में मिलीं। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में आक्रोश फैल गया और बड़ी संख्या में लोग मंदिर परिसर में एकत्र हो गए।

विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंचे, जिन्होंने इसे हिंदू आस्था पर हमला बताते हुए पुलिस से तत्काल कार्रवाई की मांग की। बताया जा रहा है कि जिले में मूर्ति तोड़े जाने की यह पांचवीं घटना है। इससे पहले भी दो बार हनुमान और दो बार देवी की मूर्तियां खंडित की जा चुकी हैं।

ग्रामीणों ने बताया- सुबह पहुंचे तो टूटी मिलीं मूर्तियां: जानकारी के मुताबिक, रविवार सुबह कुछ ग्रामीण बूढ़ी माता मंदिर पहुंचे तो देखा कि देवी-देवताओं की प्रतिमाएं खंडित कर मंदिर परिसर के आसपास फेंकी गई हैं। यह मंदिर ग्रामीणों की कुलदेवी के रूप में पूजित है, जहां प्रतिदिन श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए आते हैं।

घटना की खबर फैलते ही गांव में तनाव का माहौल बन गया। लोगों ने इसे धार्मिक भावना भड़काने की साजिश बताया। मौके पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भी पहुंचे और ग्रामीणों को शांत कराया।

विहिप ने जताया आक्रोश, कहा- देवी-देवताओं का अपमान बर्दाश्त नहीं: विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी बालकृष्ण द्विवेदी ने कहा कि यह बेहद निंदनीय कृत्य है। हिंदुओं की आस्था से जुड़ी मूर्तियों को तोड़ना केवल तोड़फोड़ नहीं, बल्कि समाज को उकसाने की कोशिश है। हम मांग करते हैं कि पुलिस जल्द आरोपियों को गिरफ्तार करे, वरना विरोध तेज किया जाएगा।

पहले भी हो चुकी हैं ऐसी घटनाएं: रीवा जिले में बीते एक वर्ष में मूर्तियां खंडित करने की यह पांचवीं घटना है। इससे पहले भी दो बार हनुमान मंदिर और दो बार देवी मंदिर में प्रतिमाएं खंडित की जा चुकी हैं। लगातार हो रही घटनाओं से लोगों में असुरक्षा और गुस्सा दोनों है।

पुलिस ने दर्ज किया मामला, जांच शुरू: मामले की सूचना मिलते ही मनगवां पुलिस मौके पर पहुंची और फोरेंसिक टीम को बुलाया। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय इनपुट के आधार पर जल्द आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी की जाएगी।

मुसहर समाज के बच्चों को शिक्षा दिलाने रीवा सांसद ने घर-घर संपर्क कर समाज को किया जागरूक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सांसद जनार्दन मिश्रा ने रीवा जिले खासकर तराई आंचल के विभिन्न गांव में निवासरत मुसहर समाज के लोगों को सरकारी योजनाओं को लाभ दिलाने आधार कार्ड बनवाने सहित उनको आवास एवं वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने के लिए रीवा सांसद ने त्योंथरविधानसभा के विभिन्न ग्रामों अमिलकोनी, चिल्लाकला, पनासी, पटहट, 12 नंबर बस्ती सोहरवा एवं घुसरूम में मुसहर समाज जो कि शिक्षा से पूर्णत: अनभिज्ञ है उनके पास पहुंचकर उनके परिवार जनों से संपर्क किया। एक सप्ताह पूर्व इन्हीं समाज के बच्चों को स्वच्छता का संदेश देते हुए रीवा सांसद ने स्नान करद्य कर उन्हें स्वच्छ कपड़े पहनकर स्कूल में दाखिला दिलाने का काम किया था सतत निगरानी कर रहे संसद को पता चला था कि दो बच्चे स्कूल जाना बंद कर दिए उनके परिजनो के बीच पहुंचकर उन्हें पुन: स्कूल में भेजने के लिए प्रयास किया और समझाया उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जिससे अमीर और गरीब की खाई मिट जाती है और समाज में अपनी पहचान और प्रतिष्ठा स्थापित होती है इसलिए मैं रीवा संसदीय क्षेत्र के

सभी मुसहरसमाज के लोगों से आग्रह करता हूं कि वह अपना स्थाई निवास बनाकर रहे और बच्चों को शिक्षा से जोड़े और सरकार की जो भी योजनाएं संचालित है उनका भी लाभ उठाएं मतदाता सूची में नाम जुड़वाएं प्रधानमंत्री आवास मुक्त राशन का भी लाभ लेंघुसरूम में 2 बच्चों के विद्यालय में प्रवेश के लिए उनके माता पिता से आग्रह कर राजी कराया तथा जनपद सदस्य वेद प्रकाश तिवारी जी, समाज सेवी विजय कुशवाहा व सरपंच साहब घुसरूम से निवेदन किया कि कल सुबह पूरी जिम्मेदारी के साथ दोनों बच्चों का विद्यालय में प्रवेश कराएं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।